tni आवाज़

राजस्थान की राजनीति

E-mail: tniawaz.news@gmail.com

आपकी आवाज के साथ....

RAJHIN/2012/43137

हिन्दुस्तान पत्रिका
HINDUSTAN KI AWAZ

जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, टोंक, अजमेर, भरतपुर, धौलपुर, बीकानेर, कोटा, सवाईमाधोपुर से प्रसारित

www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, शनिवार 29 मार्च, 2025 | » वर्ष: 2 » अंक: 149 » पृष्ठ: 8 » मूल्य: 2.00 रू.

ग्रेटर+हेरिटेज+80 गांव=जयपुर निगम

30 साल बाद बदली शहर की सीमा, नए सिरे से होगा वार्ड आरक्षण

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। स्वायत्त शासन विभाग ने शुक्रवार को राजधानी के दोनों नगर निगम हेरिटेज और ग्रेटर को मिलाते हुए एक कर दिया। साथ ही नगर निगम में 80 गांव मिलाते हुए इसका दायरा भी बढ़ा दिया। शहर की सीमा में यह बदलाव 30 साल बाद हुआ है। इसके चलते गांवों के 1.54 लाख लोग शहरी सीमा में आ गए। हालांकि वार्डों की संख्या 250 की जगह 150 होगी। यानी 100 वार्ड खत्म कर दिए जाएंगे। दोनों निगमों को एक करने के बाद अब माना जा रहा है कि आगामी छह माह बाद निगम चुनाव हो सकते हैं। तब तक ग्रेटर और हेरिटेज निगम की व्यवस्था लागू रहेगी। दोनों निगम मेयर काम करते रहेंगे।

जयपुर नगर निगम का परिसीमन वर्ष 2011 की जनसंख्या के आधार से किया गया है। स्वायत्त शासन विभाग ने शहर से लगते 27 ग्राम पंचायतों के 1 लाख 54 हजार 840 आबादी वाले 80 राजस्व गांवों को निगम सीमा में शामिल किया है। अब एक वार्ड 18 से 24 हजार की आबादी पर होगा। पहले 9 हजार से 12 हजार की जनसंख्या पर था।

जयपुर में एक निगम-एक मेयर की कवायद के चलते नगरीय सीमा में 80 राजस्व ग्राम जोड़ने के बाद 150 वार्डों की बाउंड्री का निर्धारण हो गया है। पहले चरण में परिसीमन पूरा हो गया है। अब इसके लिए आपत्तियां मांगी गई हैं। इसमें कम से कम दो माह लगेंगे।

हर विधानसभा में कितने वार्ड यह भी तय

जयपुर निगम 150 वार्डों का होगा। महापौर, उप महापौर भी एक-एक होंगे। पार्षदों की संख्या 100 कम हो जाएगी। शहर में 10 विधानसभा क्षेत्रों में कितने-कितने वार्ड होंगे इसका प्रस्ताव भी तैयार है। विद्याधर नगर विधानसभा में सर्वाधिक 22 वार्ड और आमेर विधानसभा में तीन वार्ड बनेंगे।

असर... अब 9 की बजाय 24 हजार आबादी वाले वार्ड होंगे

आबादी; अभी- वार्डों की जनसंख्या 9000 से 13000 के बीच है। अब- 18 हजार से 24 हजार हो जाएगी।

एरिया... अभी- तीन से चार किलोमीटर के बीच एक वार्ड की बसावट है। अब-नए परिसीमन के बाद वार्ड 8 से 15 किलोमीटर तक फैल जाएंगे।

राजनीति... अभी-आदर्शनगर विधानसभा, किशनपोल, हवामहल और सिविल लाइंस विधानसभा में अभी भाजपा और कांग्रेस बराबर की स्थिति में है। अब-नए परिसीमन के बाद किशनपोल और आदर्शनगर में भी भाजपा मजबूत होगी।

1995 में पहली बार बना था निगम बोर्ड

1995 में पहली बार नगर निगम बोर्ड बनाया गया था। तब 60 वार्ड थे। इसके बाद 64 वार्ड बनाए गए। कुछ समय बाद 70 वार्ड बनाए गए। इसके बाद 7 वार्ड बढ़ाकर 77 किए गए। वर्ष 2019 में 91 वार्ड थे। 2018 में कांग्रेस सरकार ने दो निगम बनाकर एक साथ 250 वार्ड बना दिए। ग्रेटर में 150 व हेरिटेज में 100 वार्ड। अब भाजपा सरकार ने निगम का दायरा बढ़ाया, लेकिन दोनों निगमों को एक कर 150 वार्ड बनाने जा रही है।

सात माह तक दोनों मेयर रहेंगी -दोनों मेयर नगर निगम चुनाव तक रहने वाले हैं। ऐसे में तब तक दोनों मेयर अस्तित्व में बने रहेंगे।

केंद्रीय टीम का स्वच्छता सर्वे पूरा हो चुका है, इसलिए स्वच्छता रैंकिंग दोनों के हिसाब से जारी होगी।

ये राजस्व गांव जयपुर शहर में हुए शामिल;

जयपुर उपखंड के सरना डूंगर, बावड़ी, लालचंदपुरा, हाथोज, बीड हाथोज, नारी का बास, पीथावास, मांचवा, पिंडोलाई, सबरामपुरा, निवारू, बोयतावाला, मंशारामपुरा, विजयपुरा, सुमेल, रूपा की नांगल, मालपुरा डूंगर, मालपुरा चौर, बल्लूपुरा, बीरमलपुरा उर्फ मुकुंदपुरा, बगराना (जनसंख्या- 69782)

सांगानेर उपखंड क्षेत्र के मुहाना, मदाउ, बाढ़ मोहनपुरा, जगतश्रवणपुरा, मोहनपुरा, पीपलाभरतसिंह, जगन्नाथपुरा, महासिंहपुरा उर्फ केश्यावाला, रातल्या, मनोहरीयावाला, विधानी, मंथुरावाला, रामचंदपुरा, सालिगरापुरा, श्रीकिशनुपरा, विमलपुरा, जयचंदपुरा, दातली, चतरपुरा, सीस्यावास, गोनेर, बीलवाकला, लक्ष्मीपुरा, प्रहलादपुरा, श्रीराम की नांगल, लक्ष्मीपुरा उर्फ नाटनीवाला, आशावाला, बाडश्योपुर, जयसिंहपुरा बास बीलवा, सुखदेवपुरा उर्फ नोहरा, खेड़ी गोकुलपुरा, बक्शावाला, ग्वार ब्राह्मणान, श्योसिंहपुरा उर्फ कल्लावाला, जयसिंहपुरा, चकहरवंशपुरा, हरवंशपुरा, नरोत्तमपुरा, बड़ी का बास, खुसर, मुरलीपुरा उर्फ मिश्रा का बाढ़, रामपुरा उर्फ कंवरपुरा, सुखदेवपुरा उर्फ नाटानीवाला, सिरोली, चक सालिगरामपुरा, जयसिंहपुरा बास, जिरोता, खेतापुरा, बदनपुरा। (जनसंख्या- 69713)

आमेर उपखंड के किशनपुरा उर्फ लालावास, आकेड़ा डूंगर, जैसल्या, मयला बाग, अखेपुरा, लक्ष्मीनारायणपुरा, शिस्यावास, बड़ागांव जरख्या (जनसंख्या- 15002)

जयपुर एक था, एक ही रहेगा: सौम्या

मेयर सौम्या गुर्जर ने अच्छा फैसला बताया। मेयर का कहना है कि जयपुर एक था और एक रहेगा। जयपुर को कांग्रेस ने बांट दिया था। सरकार ने सही निर्णय लिया है।

एक निगम जयपुर की जरूरत: कुसुम

मेयर कुसुम यादव ने दोनों निगमों को एक होने पर खुशी जताई है। जयपुर शहर का एक होना बहुत जरूरी है, क्योंकि जयपुर में हेरिटेज और आधुनिक शहर का समावेश है।

म्यांमार में 7.7 तीव्रता का भूकंप 144 की मौत, 732 घायल

बैंकॉक में इमारत गिरने से 80 लोग लापता, 3 की जान गई

एजेंसी

नई दिल्ली। म्यांमार में शुक्रवार सुबह 11.50 बजे 7.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसके झटके भारत, थाईलैंड, बांग्लादेश और चीन समेत 5 पांच देशों में महसूस किए गए। म्यांमार और थाईलैंड में करीब 150 लोगों की जान गई है।

अकेले म्यांमार में 144 लोगों की मौत हुई है, जबकि यहां 732 लोग घायल हैं। वहीं, थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में अंडर कंस्ट्रक्शन 30 मंजिला इमारत गिर गई। इस साइट पर 400 लोग काम कर रहे थे। इनमें से 80 लोग लापता हैं, जबकि 3 लोगों की मौत हुई है।

इन 5 देशों के अलग-अलग इलाकों में सैकड़ों लोग घबराकर घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। भारी तबाही के चलते थाईलैंड की प्रधानमंत्री पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा ने इमरजेंसी घोषित कर दी है।

अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, इस भूकंप से होने वाली मौतों की आशंका को रेड कैटेगरी में रखा गया है। इस कैटेगरी में 10 हजार से 1 लाख मौतें तक हो सकती हैं, जिसकी संभावना 34 प्रतिशत यानी सबसे ज्यादा है।

भारत के कई राज्यों में झटके

उत्तर भारत में दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब में हल्के से मध्यम झटके देखे गए। इसके अलावा, पूर्वोत्तर भारत के राज्य जैसे मेघालय, असम, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में भी भूकंप का असर साफ तौर पर महसूस हुआ। खासकर मेघालय में, जहां हाल ही में 4.0 तीव्रता का एक अलग भूकंप दर्ज हुआ।

मोदी ने जताई संवेदना

भूकंप के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। पीएम मोदी ने अपने संदेश में कहा, म्यांमार में भूकंप से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। हम इस मुश्किल घड़ी में उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि भारत म्यांमार को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। पीएम ने प्रभावित लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा, मैं प्रार्थना करता हूं कि सभी सुरक्षित रहें और यह संकट जल्द खत्म हो।

पहले भूकंप के 12 मिनट बाद 6.4 तीव्रता का आफ्टरशॉक आया

म्यांमार, थाईलैंड, बांग्लादेश, भारत और दक्षिण-पश्चिम चीन समेत 5 देशों में असर देखा गया। यहां के कई इलाकों में तेज झटके महसूस किए गए। भारत में कोलकाता, इंफाल, मेघालय और ईस्ट कार्गो हिल में इसके झटके महसूस किए गए। बांग्लादेश में ढाका, चटगांव समेत कई हिस्सों में 7.3 तीव्रता के झटके आए। म्यांमार में 12 मिनट बाद फिर 6.4 तीव्रता का आफ्टरशॉक आया।

जयपुर में राष्ट्रीय किसान सम्मेलन का समापन: 5000 से ज्यादा किसान और विशेषज्ञ जुटे; गौ आधारित प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने पर जोर

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। जयपुर में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय किसान सम्मेलन में समापन के आखिरी दिन शुक्रवार को गौ आधारित प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। इस सम्मेलन में 5000 से अधिक किसान, विशेषज्ञ और अन्य प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस एग्रीकल्चर स्किल डेवलपमेंट के चेयरमैन डॉ. अतुल गुप्ता ने कहा कि गो आधारित प्राकृतिक कृषि को पूरे राजस्थान और देश में स्थापित करना आवश्यक है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से प्राकृतिक कृषि बोर्ड के गठन की मांग की। हैनीमैन चैरिटेबल ट्रस्ट मिशन सोसायटी की सचिव मोनिका गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन में किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर. चौधरी, अमेरिका से वनशर्ट इंटरनेशनल के डायरेक्टर संदीप भार्गव और लंदन से अंतरराष्ट्रीय बिजनेस गाइड कृष्ण चहल सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। राज्यपाल और मंत्रियों ने भी सम्मेलन में शिरकत की। सभी वक्ताओं ने गाय के उत्पादों को अपनाने और किसानों के हित में काम करने पर बल दिया। कार्यक्रम में राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के चेयरमैन के.एल. जैन, जयपुर व्यापार संघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता समेत देशभर से आए कृषि विशेषज्ञ और किसान नेता मौजूद रहे।

8वें वेतन आयोग से पहले बढ़ाया केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता

नई दिल्ली। सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई राहत में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। शुक्रवार (28 मार्च) को हुई कैबिनेट मीटिंग में डीए बढ़ोतरी पर फैसला हुआ। इससे पहले जुलाई 2024 में सरकार ने 3 प्रतिशत बढ़ोतरी की थी। 8वें वेतन आयोग के लागू होने से पहले इस बढ़ोतरी से महंगाई भत्ता 55 प्रतिशत हो जाएगा। इसका फायदा करीब 48 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 66 लाख पेंशनर्स को होगा।

कठुआ में एनकाउंटर, तीन आतंकी ढेर, 4 जवान शहीद

तारिक अहमद | जसवंत सिंह | बलविंदर सिंह

जैश के संगठन पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट ने जिम्मेदारी ली, सर्चिंग जारी

राजस्थान की राजनीति

कठुआ। जम्मू-कश्मीर में कठुआ जिले के राजबाग में 27 मार्च से चल रहे एनकाउंटर में अबतक तीन आतंकी मारे गए। इसके अलावा सुरक्षाबलों के चार जवान शहीद हुए हैं और तीन अन्य घायल हैं। बीते दिन तारिक अहमद, जसवंत सिंह और बलविंदर सिंह गोलीबारी में घायल हुए थे। इलाज के दौरान इनकी मौत हुई थी। ये जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) के जवान हैं।

वहीं, चौथे जवान का शव शुक्रवार सुबह सर्च ऑपरेशन शुरू होने पर ड्रोन में नजर आया था। इनकी पहचान की जानकारी सामने नहीं आई है। डीएसपी धीरज सिंह समेत अन्य जवानों का इलाज उधमपुर आर्मी अस्पताल में चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक राजबाग के घाटी जुथाना इलाके के जखोले गांव में सुरक्षाबलों को करीब 9 आतंकवादियों के छिपे होने की खबर मिली थी। ये आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के प्रॉक्सी संगठन पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट से जुड़े हैं।

कैश मामला : जस्टिस वर्मा का इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर

नई दिल्ली। कैश मामले में घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट की सिफारिश और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद आदेश जारी किया गया है। हालांकि इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को निर्देश दिया गया है कि जस्टिस वर्मा को कोई न्यायिक काम न सौंपा जाए।

इधर, सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा पर एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा मामले में सुप्रीम कोर्ट की इंटरनल कमेटी जांच कर रही है। रिपोर्ट में कुछ गड़बड़ मिला तो एफआईआर होगी या मामला संसद को भेजा जाएगा।

मौसम विभाग का अनुमान : सबसे गर्म साल होगा 2025

इस बार हीटवेव के दिन दोगुने होंगे, 5-6 की जगह लगातार 10-12 दिन लू चलेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में इस बार उम्मीद से कहीं ज्यादा गर्मी पड़ने वाली है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, इस साल देश के नॉर्थ-वेस्ट राज्यों यानी हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, दिल्ली में हीटवेव (लू) के दिनों की संख्या दोगुनी होने की आशंका है। आमतौर पर अप्रैल से जून के महीनों में लगातार 5-6 दिन लू चलती है, लेकिन इस बार 10 से 12 दिनों के ऐसे कई दौर आ सकते हैं।

हालांकि, मौसम विभाग ने यह जानकारी नहीं दी कि इस साल हीटवेव का असर कितने दिन रहेगा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर हीटवेव के दिनों की संख्या दोगुनी होती है तो 2025 अब तक का सबसे गर्म साल होगा। ऐसे में पारा सामान्य से 5 डिग्री या इससे भी ज्यादा रह सकता है।

सीएम भजनलाल शर्मा को फिर मिली जान से मारने की धमकी

राजस्थान की राजनीति

बीकानेर। सीएम भजनलाल शर्मा को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी देने वाला बीकानेर सेंट्रल जेल का बंदी है। उससे मोबाइल फोन बरामद हुआ है। 14 महीने में यह चौथी बार है, जब सीएम को धमकी दी गई है।

आरोपी आदिल ने शुक्रवार सुबह 7.30 बजे बीकानेर पुलिस कंट्रोल रूम को मोबाइल से कॉल किया था। इसमें आरोपी ने सीएम को जान से मारने की बात कही थी।

मामले की जांच करते हुए पुलिस बीकानेर जेल पहुंची और सर्च शुरू की। सुबह 8.40 बजे आदिल को गिरफ्तार कर लिया। आदिल ने कॉल क्यों किया और उसके पास मोबाइल कैसे पहुंचा? इसकी छानबीन की जा रही है।

हाथ की नसें काट चुका है आरोपी : जांच में पता चला है कि आदिल नशे का आदी है। उसकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं है। वह पहले भी हाथों की नसें काट चुका है।

तीन जेल से 11 पुलिसकर्मी सस्पेंड

जयपुर। जयपुर सेंट्रल जेल से डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा को धमकी भरे कॉल के बाद राजस्थान के तीन जेलों के 11 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है। केंद्रीय कारागृह जयपुर के उपाधीक्षक इन्द्र कुमार का ट्रांसफर कर जिला कारागृह सीकर भेजा गया है। बंदियों के धमकी भरे कॉल करने को लेकर जेलों में मोबाइल की सख्ती को लेकर कार्रवाई की गई है।

जयपुर सेंट्रल जेल से 27 मार्च को डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा को धमकी भरे कॉल मामले में कारापाल भंवर सिंह, उप कारापाल रमेश चन्द, मुख्य प्रहरी विरेन्द्र सिंह भाटी, प्रहरी चन्द्रपाल व सुरेन्द्र सिंह को निलंबित किया गया है। इनका मुख्यालय केंद्रीय कारागृह भरतपुर रखा गया है। केंद्रीय कारागृह जयपुर के उपाधीक्षक इन्द्र कुमार को जिला कारागृह सीकर भेजा गया है। प्रकरण की विस्तृत जांच के लिए उप महानिरीक्षक कारागार रेंज जयपुर को निर्देशित किया गया है।

सेंट्रल जेल जोधपुर में 23 मार्च को हुई घटना में कारापाल रामचन्द्र और मुख्य प्रहरी चैनदान चारण को निलंबित किया गया है। इनका मुख्यालय महानिदेशालय कारागार जयपुर रखा गया है। संपूर्ण मामले की विस्तृत जांच के लिए महानिरीक्षक कारागार को निर्देशित किया गया है। सेंट्रल जयपुर बीकानेर में हुई 28 मार्च को घटना में उप कारापाल जयसिंह, मुख्य प्रहरी विजय पाल, प्रहरी जगदीश प्रसाद व अनिल मीणा को निलंबित किया गया है।

राजस्थान दिवस कार्यक्रम श्रृंखला-भीलवाड़ा में राज्यस्तरीय विकास एवं सुशासन उत्सव

सरकारी अस्पतालों में मरीजों को लाइन में नहीं लगना पड़ेगा : भजनलाल

मोबाइल ऐप से घर बैठे मिलेगा डॉक्टर का अपॉइंटमेंट, लैब रिपोर्ट भी कर सकेंगे डाउनलोड

राजस्थान की राजनीति

भीलवाड़ा। राजस्थान के सरकारी अस्पतालों में अब मरीजों को लंबी लाइनों में नहीं लगना पड़ेगा। राजस्थान सरकार ने एकीकृत स्वास्थ्य प्रबंधन प्रणाली मोबाइल ऐप लॉन्च की है। इस चिकित्सा ऐप के जरिए घर बैठे डॉक्टर का अपॉइंटमेंट लिया जा सकेगा। साथ ही लैब रिपोर्ट भी डाउनलोड की जा सकेगी।

शुरुआत में इस योजना से जयपुर के दो सरकारी अस्पतालों कांवटिया और जयपुरिया अस्पताल को जोड़ा गया है। एकीकृत स्वास्थ्य प्रबंधन प्रणाली का फायदा उठाने के लिए गूगल प्ले स्टोर से IHMS Rajasthan ऐप डाउनलोड की जा सकती है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को भीलवाड़ा में हुए कार्यक्रम में चिकित्सा ऐप समेत 10 हजार करोड़ के विकास कामों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा और विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी भी उनके साथ मौजूद थे।

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए चिकित्सा ऐप लॉन्च की है। सरकारी हॉस्पिटल में अब लंबी लाइन नहीं लगेगी। आप इस ऐप के जरिए घर बैठे अपने मोबाइल से डॉक्टर का अपॉइंटमेंट ले सकते हैं। लैब रिपोर्ट भी डाउनलोड कर सकते हैं। कई घंटों इंतजार करने की जरूरत नहीं है।

ईआरसीपी 17 जिलों के लिए साबित होगी वरदान

मुख्यमंत्री ने कहा- ईआरसीपी के नाम पर कांग्रेस ने राजनीति की। हमने सत्ता में आते ही ईआरसीपी को धरातल पर उतारा। 17 जिलों के लिए यह योजना वरदान साबित होगी। 4 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी। जल जीवन मिशन में हम तेजी ला रहे हैं। पानी की जरूरत पर सरकार गंभीर है।

राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ के एमओयू धरातल पर उतरने लगे

भजनलाल शर्मा ने कहा- राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ के एमओयू साइन हुए। कांग्रेस ने जाती हुई सरकार में इन्वेस्टमेंट समिट किया। हमने आते ही एक साल में यह किया। उन्हें जनता को दिखाना था, हमें करना है, इसलिए पहले साल में हमने राजस्थान राइजिंग समिट किया। मार्च में 3 लाख करोड़ के काम धरातल पर उतर आएंगे।

पत्रकार हेल्थ कवरेज स्कीम लॉन्च

मुख्यमंत्री ने कहा- पत्रकार प्रजातंत्र का चौथा स्तंभ हैं। पत्रकारों का काम कठिन है। कठिन हालात में वे दायित्व निभाते हैं। आज से पत्रकार हेल्थ कवरेज का शुभारंभ किया है। पत्रकारों को बधाई। इस योजना से पत्रकार स्वास्थ्य पर होने वाले आकस्मिक खर्च की चिंता से मुक्त होंगे।

गांव बीपीएल मुक्त, शहरों में पंच गौरव

भजनलाल शर्मा ने कहा- बजट में हमने पंडित दीनदयाल शहरी विकास योजना का जिक्र किया था। हमने एसडीएम को कहा है कि गांवों में जाओ और किसानों की समस्या जानो। 5 हजार गांवों को बीपीएल मुक्त गांव बनाएंगे। इसके लिए 300 करोड़ का प्रावधान किया है। पंच गौरव स्कीम का लोकार्पण किया है। सभी नए जिलों में पंच गौरव चिह्नित किए जाएंगे। ये पंच गौरव जिले की ताकत बनेंगे।

रजिस्ट्रार ऑफिस 12 घंटे खुलने के निर्देश

सीएम ने कहा- रजिस्ट्रार ऑफिस सुबह 8 से रात 8 बजे तक खुलेंगे। रजिस्ट्रार ऑफिस में काम पड़ता है तो 10 से 6 नौकरी करने वाले को छुट्टी लेनी पड़ती थी। अब सुबह 8 से 10 और शाम 6 से 8 भी काम होंगे। यानी छुट्टी लेने की जरूरत नहीं होगी।

2027 में किसानों को दिन में बिजली देंगे

मुख्यमंत्री ने कहा- हमने किसानों से वादा किया है कि 2027 में दिन में बिजली देंगे। हम घरेलू उपभोक्ता, उद्योग और किसानों को निर्बाध बिजली देंगे। भीलवाड़ा की पहचान वस्त्र नगरी है। इसे बरकरार रखेंगे। यहां और अधिक उद्योग आने चाहिएं।

सडक हादसे में बाइक सवार मॉ-बेटा सहित एक अन्य महिला घायल

सडक हादसे में घायल दोनों महिलाओं को किया जिला चिकित्सालय रैफर

राजस्थान की राजनीति

नदबई। नदबई-जनूथर सडक मार्ग पर गांव बहरामदा के समीप बेसहारा जानवर को बचाने की जुगत में असंतुलित होकर बाइक फिसलने से मॉ-बेटा सहित एक अन्य महिला घायल हो गई। ग्रामीणों ने 108 एम्बूलेंस की सहायता से घायलों को चिकित्सालय में भर्ती कराया। बाद में गंभीर स्थिति के चलते घायल दोनों महिलाओं को रैफर कर दिया गया।

सूत्रों की मानें तो गांव ऐचेंरा निवासी राहुल सिंह पुत्र रविन्द्र सिंह अपनी माता सुमित्रा व चाची शशी पत्नी प्रहलाद सिंह को, अपने खेत में कृषि कार्य पूर्ण होने के बाद नदबई लेकर आ रहा। इसी दौरान नदबई-जनूथर सडक मार्ग पर गांव बहरामदा के समीप बेसहारा जानवर को बचाने की जुगता में सडक हादसा हो गया। जिसमें बाइक सवार तीनों जनें घायल हो गए। समीपवर्ती लोगों ने 108 एम्बूलेंस की सहायता से घायलों को चिकित्सालय में भर्ती कराया। बाद में घायल सुमित्रा व शशी को जिला मुख्यालय रैफर कर दिया। इस संदर्भ में समाचार लिखे जाने तक पुलिस में मामला दर्ज नही हुआ।

निंमोही अखाड़ा महामण्डलेश्वर गोपीकृष्ण दास का नदबई में हुआ पर्दापण

श्रद्वालुओं ने बैण्ड-बाजे के बीच पुष्पवर्षा कर महामण्डलेश्वर का किया स्वागत

निजी विद्यालय में चित्रकूट तुलसीपीठ उत्तराधिकारी रामचंद्रदास महाराज भी हुए शामिल

राजस्थान की राजनीति

नदबई। पंच हरिव्यासी निंमोही अखाड़ा महामण्डलेश्वर गोपीकृष्ण दास व चित्रकूट तुलसीपीठ उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्रदास महाराज का नदबई-कुम्हेर रोड बाईपास के समीप निजी विद्यालय में मंगल पदार्पण हुआ। जहां निजी विद्यालय प्रबंधक सतीशचंद शर्मा के नेतृत्व में शिक्षक, विद्यार्थी व श्रद्वालुओं ने बैण्ड-बाजे के बीच पुष्पवर्षा करते हुए महामण्डलेश्वर व चित्रकूट तुलसीपीठ उत्तराधिकारी का अभिनंदन किया। बाद में महामण्डलेश्वर गोपीकृष्णदास महाराज ने विद्यार्थियों को सनातन संस्कृति अपनाने व जीवन में सद्मार्ग पर चलने को कहा। वही, तुलसीपीठ उत्तराधिकारी ने जरुरतमंद लोगों की सेवा करने का आह्वान किया। इस दौरान नरेश चंद शर्मा, रमेशचंद गुप्ता, योगेश त्यागी, भूपेन्द्र कटारा, सतवीर अवस्थी, डॉ विनोद कुमार, चन्द्रभान गौतम, लालसिंह आदि मौजूद रहे।

अल्पसंख्यक मामलात विभाग में हुआ शपथ समारोह

अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ली राज्य के विकास एवं खुशहाली में सक्रिय भागीदार बनने की शपथ

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। राजस्थान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में शुक्रवार को निदेशालय, अल्पसंख्यक मामलात विभाग में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निदेशक श्री मातादीन मीना द्वारा शपथ दिलवाई गई। उल्लेखनीय है कि राजस्थान दिवस समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा नव संवत् चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को राजस्थान दिवस को सप्ताह-पर्यंत आयोजन के रूप में मनाने की घोषणा की गई है। निदेशक, अल्पसंख्यक मामलात विभाग श्री मातादीन मीना ने बताया कि निदेशालय में ÷राजस्थान दिवस सप्ताह- पर्यंत उत्सव÷ के हिस्से के रूप में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्धारित प्रारूप के अनुसार राजस्थान की महान परंपराओं का सम्मान एवं निर्वहन करते हुए राज्य के विकास एवं खुशहाली में सक्रिय भागीदार बनने की शपथ दिलाई गई। उन्होंने बताया कि परंपरा के अनुसार, प्रतिवर्ष 30 मार्च को राजस्थान दिवस मनाया जाता है लेकिन 30 मार्च 2025 को राजपत्रित अवकाश होने के कारण, दिनांक 28 मार्च, 2025 को शपथ समारोह का आयोजन किया गया। शपथ समारोह में मुख्य लेखाधिकारी श्री मुन्ना लाल टोडीवाल, सहायक निदेशक श्री सुशील कुमार सहित सभी अधिकारीगण व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

"सौगात - ए - मोदी" अभियान के जरिए ईद पर 1 लाख 786 जरूरतमंदों तक अल्पसंख्यक मोर्चा पहुंचायेगा मोदी किट: हमीद मेवाती

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर में 551 सौगात ए मोदी किट वितरित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया- हमीद मेवाती

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। जयपुर में शुक्रवार को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान द्वारा जेडीए कॉलोनी गोविंदपुरा सांगानेर में ''सौगात-ए-मोदी'' किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री अजीत मांडन और भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने 551 जरूरतमंद लोगों को ''सौगात-ए-मोदी किट'' वितरित किये। इस मौके पर मोर्चा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एम. सादिक खान, मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष जंग बहादुर पठान, मोर्चा प्रदेश कोषाध्यक्ष जावेद कागजी, प्रदेश आईटी संयोजक इरशाद हसनपुरा, प्रदेश कार्य समिति सदस्य नुजहत परवीन, जयपुर शहर महामंत्री मोहम्मद परवेज खान, जफर मिर्जा, नवाब कुरैशी, मौलाना रईस कुरैशी, भाजपा सहित बड़ी संख्या में मोर्चे के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ह्यमोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने बताया कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में ''सौगात - ए - मोदी'' अभियान के जरिए ईद पर 1 लाख 786 जरूरतमंदों तक पहुंचने की योजना बनाई है। मेवाती ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल नेतृत्व में सबका साथ - सबका विश्वास और सबका विकास की रणनीति पर आगे बढ़ रहा है। मोर्चे के 1 हजार पदाधिकारी, 1 हजार मस्जिदों से सम्पर्क कर 1 लाख 786 जरूरतमंदों को सौगात - ए - मोदी किट के माध्यम से उपहार स्वरूप जरूरत की चीजें पहुंचाएगा। मेवाती ने बताया कि किट में खाद्य सामग्री के अलावा कपड़े, सेवई, खजूर, मेवे और चीनी शामिल होंगे एवं महिलाओं के लिए किट में सलवार-सूट का कपड़ा होगा। यह अभियान गरीब और जरूरतमंद अल्पसंख्यक परिजनों को सहायता प्रदान करने के साथ-साथ समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच बढ़ाने का भी एक प्रयास माना जा रहा है। प्रत्येक पदाधिकारी एक मस्जिद, चर्च, गुरूद्वारा कमेटी के सहयोग से 100 जरूरतमंद व्यक्तियों को चिह्नित कर उन तक सौगात - ए - मोदी किट उपहार स्वरूप पहुंचाने का काम करेंगे। किट में उनकी जरूरत की चीजें उपलब्ध रहेंगी। प्रदेश मंत्री अजीत मांडन ने कहा कि हमें रमजान के महीने में मिस्कीन, कमजोर पड़ोसी और गरीब रिश्तेदारों की दिल खोलकर मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा ऐसी ही मोर्चा गुड फ्राइडे, ईस्टर, नवरोज एवं भारतीय नववर्ष के आयोजनों में शामिल होकर जरूरतमंदों को सौगात - ए - मोदी किट वितरीत कर गंगाजमनी तहजीब की मिसाल पेश करेगा। इन त्योहारों के माध्यम से सौहार्द और भाईचारा बनाए रखने का आह्वान किया।

आगरा-बांदीकुई पैसेंजर ट्रेन का हो जयपुर तक संचालन

आगरा रेल मंडल की बैठक में परामर्शदात्री सदस्यों ने उठाया मामला

राजस्थान की राजनीति

नदबई। आगरा मंडल रेल प्रबंधक तेजप्रकाश अग्रवाल की अध्यक्षता में परामर्शदात्री समिति सदस्यों की बैठक आयोजित हुई। जिसमें यात्रियों की सहूलियत व विकास कार्यो को लेकर चर्चा हुई। बैठक में समिति सदस्यों ने आगरा-बांदीकुई पैसेंजर ट्रेन का जयपुर तक संचालन होने की मांग की। जिस पर मंडल डीआरएम ने उच्चस्तर पर चर्चा करने का आश्वासन दिया।

इससे पहले वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमित आनन्द ने आगरा मंडल में हुए विकास कार्य व यात्रियों की सुविधाओं को लेकर हो रहे प्रयास के बारे में बताते हुए समिति सदस्यों को सहयोग करने को कहा। बाद में समिति सदस्यों ने आगरा-बांदीकुई पैसेंजर का जयपुर तक संचालन होने, नदबई स्टेशन पर कोच डिस्पले व आरपीएफ चौकी स्थापना करने, महिलाओं के लिए बेवी फीडिंग सेंटर व ट्रेन में पैनिक बटन लगाने की मांग की। जिस पर मंडल रेल प्रबंधक ने समिति सदस्यों को सहयोग करने का संदेश देते हुए उच्चस्तर पर चर्चा करने व समस्या समाधान का हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया।

बैठक में मुख्य परियोजना प्रबंधक एम.पी.सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक प्रनव कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ अजय शंकर प्रसाद, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर नितिन गर्ग, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक ह्रषिकेश मौर्य, वरिष्ठ मंडल सिग्नल व दूरसंचार सुबोध राजपूत, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता आर.के.बघेला, जनसम्पर्क अधिकारी प्रशस्ति श्रीवास्तव, सहायक वाणिज्य प्रबंधक वीरेन्द्र सिंह, सहायक सुरक्षा आयुक्त टी.के.अग्निहोत्री आदि मौजूद रहे।

धौलपुर में विकास एवं सुशासन उत्सव का भव्य आयोजन

राजस्थान की राजनीति

धौलपुर (दीपू वर्मा)। राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के तहत विकास एवं सुशासन उत्सव का जिला स्तरीय आयोजन शुक्रवार को धौलपुर के नगर परिषद टाउन हॉल में हुआ। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री एवं गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में भीलवाड़ा से आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दस हजार करोड़ रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इसके तहत राजस्थान पत्रकार स्वास्थ्य योजना, पंच गौरव पुस्तिका, ई-उपचार एप सहित कई योजनाओं की शुरुआत की गई। साथ ही, हरित अरावली विकास परियोजना, फायर एनओसी प्रक्रिया का सरलीकरण, नए जिलों में डीएमएफटी गठन जैसी महत्वपूर्ण घोषणाएँ भी की गई। जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि सरकार बहुमुखी विकास के कार्यों के माध्यम से सुशासन की संकल्पना को साकार कर रही है। औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने से लेकर स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तक सरकार कई स्तरों पर कार्य कर रही है। उन्होंने ईआरसीपी परियोजना की सराहना करते हुए कहा कि इससे पूर्वी राजस्थान की जल समस्या का समाधान होगा और किसानों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि सरकार राशन दुकानों में अन्नपूर्णा भंडार स्थापित करने, स्थानीय निकायों को सशक्त करने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। शनिवार को युवा एवं रोजगार उत्सव का आयोजन कार्यक्रम के समापन पर जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी. टी. ने सभी अतिथियों और आमजन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बाड़ी विधायक जसवंत सिंह गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर, अतिरिक्त जिला कलेक्टर हरिराम मीना सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

निजी महाविद्यालय में जाट समाज की नवनियुक्त कार्यकारिणी का अभिनंदन

समारोह में नवनियुक्त कार्यकारिणी सदस्यों ने दिया एकजुटता का मूलमंत्र

राजस्थान की राजनीति

नदबई। नदबई कस्बे में बेयर हाउस रोड स्थित निजी महाविद्यालय में समिति सचिव व पूर्व उपप्रधान गोविन्द चौधरी के मुख्य आथित्य में आयोजित समारोह दौरान नवनियुक्त जाट समाज कार्यकारिणी का अभिनंदन किया गया।

इससे पहले नवनियुक्त अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह व जीतेन्द्र सिंह सहित सरंक्षक समिति सदस्यों का माला व साफा पहनाकर अभिनंदन किया। बाद में नवनियुक्त अध्यक्ष ने ग्रामीण क्षेत्र में सम्पर्क करते हुए युवाओं को जागरुक करने व समाज के विकास में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। वही, कुरीतियों को दूर करने के लिए एकजुट होने का संकल्प दिलाया। समारोह में डॉ विजय सिंह, राममोहन सिंह, विष्णु रौतवार, अशोक चौधरी, पिंटू चौधरी आदि मौजूद रहे। जबकि, समारोह का संचालन रामवीर सिंह ने किया।

निजी महाविद्यालय में जाट समाज की नवनियुक्त कार्यकारिणी का अभिनंदन

समारोह में नवनियुक्त कार्यकारिणी सदस्यों ने दिया एकजुटता का मूलमंत्र

राजस्थान की राजनीति

नदबई। नदबई कस्बे में बेयर हाउस रोड स्थित निजी महाविद्यालय में समिति सचिव व पूर्व उपप्रधान गोविन्द चौधरी के मुख्य आथित्य में आयोजित समारोह दौरान नवनियुक्त जाट समाज कार्यकारिणी का अभिनंदन किया गया। इससे पहले नवनियुक्त अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह व जीतेन्द्र सिंह सहित सरंक्षक समिति सदस्यों का माला व साफा पहनाकर अभिनंदन किया। बाद में नवनियुक्त अध्यक्ष ने ग्रामीण क्षेत्र में सम्पर्क करते हुए युवाओं को जागरुक करने व समाज के विकास में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। वही, कुरीतियों को दूर करने के लिए एकजुट होने का संकल्प दिलाया। समारोह में डॉ विजय सिंह, राममोहन सिंह, विष्णु रौतवार, अशोक चौधरी, पिंटू चौधरी आदि मौजूद रहे। जबकि, समारोह का संचालन रामवीर सिंह ने किया।

तीन दिवसीय 'प्रवासी आर्ट प्रदर्शनी और क्रिएटिविटी वर्कशॉप' का हुआ शुभारंभ- प्रवासी राजस्थानी समुदाय ने राजस्थान की कला और संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किया गौरवान्वित -उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राजस्थान की कला और संस्कृति विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। प्रवासी राजस्थानी समुदाय ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राजस्थान की समृद्ध कला, संस्कृति और कारीगरों की अनूठी कला को संवर्धन और संरक्षण करने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में साप्ताहिक महोत्सव के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राजस्थान फाउंडेशन के स्थापना दिवस के अवसर पर जवाहर कला केंद्र में राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को समर्पित 28 से 30 मार्च तक तीन दिवसीय 'प्रवासी आर्ट प्रदर्शनी और क्रिएटिविटी वर्कशॉप' का शुक्रवार को उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने शुभारंभ किया। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने कहा कि यह प्रदर्शनी न केवल प्रवासियों के हुनर व कला के विभिन्न रूपों को प्रदर्शित करने का एक मंच है, बल्कि यह प्रवासी राजस्थानियों और उनके गृह राज्य के बीच सांस्कृतिक सेतु को और अधिक मजबूत करने का भी अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान फाउंडेशन द्वारा किया गया यह प्रयास सराहनीय है, इससे प्रवासी समुदाय का राज्य से जुड़ाव और अधिक प्रगाढ़ होगा। उन्होंने वर्कशॉप में ज़ेंटैंगल्स आर्ट और वाटर कलर पेंटिंग सीख रहे प्रतिभागियों के साथ संवाद किया और वर्कशॉप में पारंपरिक खेलों बाघ-बकर, चार-भर और सोलह गुटियां, चतुरंग सेट, रज्जू सरपा, निन्यानवे का फेर आदि पर भी हाथ आजमाया। इस दौरान कर्नल राठौड़ ने जावहर कला केन्द्र में ग्रामीण गैर कृषि विकास अभिकरण (रुडा) द्वारा आयोजित शिल्पांगन प्रदर्शनी एवं कार्यशाला का अवलोकन कर हस्तशिल्पियों से संवाद किया। शिल्पांगन में टेक्सटाइल व मिनिएचर पेंटिंग, लकड़ी, पत्थर व संगमरमर हस्तशिल्प, हस्तनिर्मित कृतियां और आभूषण के साथ-साथ चर्म उत्पाद, मोजड़ी, जयपुर ब्लू पॉटरी को प्रदर्शित किया गया। राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त डॉ मनीषा अरोड़ा ने बताया कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से 5 देशों और 8 राज्यों के प्रतिभाशाली प्रवासी राजस्थानियों की कलाकृतियों को पहली बार एक साथ लाया गया है।

विधायक डीसी बैरवा की ओर से रोजा इफ्तार की दावत आज

राजस्थान की राजनीति

दौसा। विधायक डीसी बैरवा की ओर से रोजा इफ्तार की दावत शनिवार को दी जायेगी इस अवसर पर दौसा सांसद मुरारीलाल मीणा भी शामिल रहेंगे। नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष घनश्याम शर्मा ने बताया कि 29 मार्च को शनिवार को शाम 6ः30 बजे दरगाह शाह जमाल बाबा लालसोट रोड दौसा पर दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा रोजा रखने वाले सभी मुस्लिम भाइयों को दावत देंगे। जिसमें दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा भी मौजूद रहेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर लगाई रोक, जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन करेगा पीड़िता की पैरवी

राजस्थान की राजनीति

दौसा। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक फैसले पर रोक लगाते हुए तीखी टिप्पणी की है, जिसमें 11 साल की बच्ची के साथ हुए अपराध को बलात्कार के प्रयास की श्रेणी में नहीं माना गया था। शीर्ष अदालत ने जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) की विशेष अनुमति याचिका को स्वीकार करते हुए उसे पीड़िता की पैरवी की अनुमति दी है। जेआरसी, जो देश के 416 जिलों में कार्यरत 250 से अधिक संगठनों का नेटवर्क है, इस कानूनी लड़ाई की अगुआई करेगा ताकि पीड़िता को न्याय मिल सके। दौसा जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए कार्यरत ग्राम चेतना केन्द्र इस संघर्ष में जेआरसी का प्रमुख सहयोगी है। ग्राम चेतना केन्द्र के सचिव ओम प्रकाश शर्मा ने कहा, अगर देश में एक भी बच्चा अन्याय का शिकार है, तो जेआरसी उसके साथ खड़ा है। हम बच्चों के खिलाफ बाल विवाह, बाल यौन शोषण और बाल मजदूरी जैसी कुरीतियों को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले को स्तब्ध करने वाला और असंवेदनशील बताते हुए भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति एजी मसीह की खंडपीठ ने फैसले में की गई कुछ टिप्पणियों को चौंकाने वाला और कानून की किसी भी समझ से रहित करार दिया। पीड़िता की ओर से पैरवी कर रहीं अधिवक्ता रचना त्यागी ने बताया कि इस मामले में साढ़े तीन साल तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई और तीन साल से अधिक समय तक कानूनी कार्यवाही बिना औपचारिक जांच के चलती रही। उन्होंने कहा, ÷एक गरीब और कमजोर परिवार की इस बच्ची के साथ यह गंभीर अन्याय है। हमें राहत है कि सुप्रीम कोर्ट ने हमारी याचिका स्वीकार कर ली है, और हम पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। निचली अदालत ने इस मामले को बलात्कार के प्रयास के तहत संज्ञान में लिया था, लेकिन इलाहाबाद हाई कोर्ट ने आरोपों में फेरबदल कर इसे कम गंभीर अपराध की श्रेणी में रखा। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे कानून और मानवीय मूल्यों के विरुद्ध बताया है।

रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन 29 मार्च को

राजस्थान की राजनीति

दौसा। राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के तहत शनिवार, 29 मार्च को दोपहर 12 बजे से जिला परिषद सभागार में रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जिला प्रभारी तथा उद्योग, युवा एवं खेल मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन में जिला प्रभारी मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ नव चयनित सरकारी कार्मिकों का मार्गदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम कोटा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में होने वाले राज्य स्तरीय समारोह से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ा होगा।

जिले में 888 अपात्र परिवारों के 4881 सदस्यों ने स्वेच्छा से अपना नाम हटवाया

राजस्थान की राजनीति

दौसा। खाद्य विभाग ने 'गिव अप' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा योजना से स्वेच्छा से नाम हटवाने के लिए अपात्रों को एक और मौका दिया है। अब वह इसके लिए 30 अप्रेल तक आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे।जिले में अब तक 888 परिवारों के 4881 सदस्यों ने अपना नाम स्वेच्छा से इस योजना से हटवा लिया है।

जिला रसद अधिकारी मोहन लाल देव ने बताया कि खाद्य विभाग ने %गिव अप% अभियान के तहत सरकारी कार्मिक, आयकर दाता, एक लाख से अधिक वार्षिक आय, चार पहिया निजी वाहन वाले अपात्र श्रेणी के परिवारों को स्वेच्छा से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना से नाम पृथक कराने के लिए एक और अवसर दिया है। अब 30 अप्रेल तक अपात्र परिवार %गिव अप% के तहत आवेदन प्रस्तुत कर अपना नाम एनएफएसए योजना से पृथक करवा सकते हैं। यदि इसके उपरान्त भी इन अपात्रता के श्रेणी में आने वाले परिवार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना से अपना नाम नहीं हटवाते हैं तो वसूली संबंधी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि %गिव अप% अभियान के तहत स्वेच्छा से नाम पृथक करने के लिए आवेदन प्राप्त होने पर जिले में अब तक 888 परिवारों के 4881 सदस्यों का नाम इस योजना से हटाया गया है।

राजस्थान दिवस के अवसर पर पशुपालन निदेशक ने अधिकारियों और कर्मचारियों को दिलाई शपथ

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। राजस्थान दिवस प्रतिवर्ष 30 मार्च को मनाया जाता है। राजस्थान दिवस के अवसर पर इस वर्ष एक सप्ताह तक प्रदेश के विभिन्न जिलों में राज्य स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। शपथ समारोह भी इन कार्यक्रमों का हिस्सा है। 30 मार्च को राजपत्रित अवकाश होने के कारण 28 मार्च को ही शपथ समारोह के आयोजन का निर्णय लिया गया। इसी क्रम में राजस्थान दिवस के गौरवमयी अवसर पर शुक्रवार को पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ आनंद सेजरा ने अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रदेश के विकास, खुशहाली, आत्मनिर्भरता और समृद्धि के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ दिलाई। शपथ समारोह में विभाग के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों ने उपस्थित होकर विरासत भी और विकास भी की भावना को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के विकास के प्रति निष्ठा के लिए संकल्पबद्ध रहकर काम करने की शपथ ली।

मुख्यमंत्री ने दौसा जिले के 82 करोड़ के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

5 करोड़ के कार्य का भी सीएम भजनलाल शर्मा ने किया लोकार्पण

राजस्थान की राजनीति

दौसा। राजस्थान दिवस (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, 30 मार्च) के उपलक्ष्य में चल रहे साप्ताहिक महोत्सव के तहत शुक्रवार को जिला परिषद् सभागार में सुशासन एवं विकास उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य स्तरीय समारोह से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दौसा जिले के लिए 82 करोड़ रुपए के 9 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं 5 करोड़ के एक कार्य का वर्चुअली लोकार्पण किया।जिला स्तरीय कार्यक्रम भीलवाड़ा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ा हुआ था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वहां से दौसा जिले के विकास कार्यों का वर्चुअली शिलान्यास एवं लोकार्पण कर जिलेवासियों को सौगातें दी। उन्होंने मंडी रोड दौसा (लागत 2.93 करोड़), बांदीकुई (लागत 1.78 करोड़), पंचौली-सिकराय (लागत 3.03 करोड़) एवं लोटवाड़ा-बैजुपाड़ा (लागत 2.96 करोड़) में 33/11 केवी जीएसएस का शिलान्यास किया। इसी प्रकार 3.44 करोड़ लागत वाले पुलिस थाना झांपदा के प्रशासनिक भवन के निर्माण कार्य, 65 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली सांथा-नांगल शेरपुर (करौली) सड़क निर्माण कार्य, 1.65 करोड़ रुपए लागत वाले महवा बस स्टैण्ड के निर्माण कार्य, 33 लाख लागत के दौसा में परिवहन विभाग की कार्यशाला मरम्मत एवं अनुरक्षण विकास कार्य तथा 1.10 करोड़ रुपए के दौसा में बस स्टैण्ड मरम्मत, अनुरक्षण एवं जन सुविधा विकास कार्य का शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान शहरी आधारभूत ढांचा विकास परियोजना के अन्तर्गत दौसा शहर के लिए एमबीबीआर तकनीक आधारित 31 केएलडी क्षमता के 5 करोड़ लागत से बने फीकल स्लज शोधन संयंत्र का लोकार्पण किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में उपस्थित महिला-पुरूषों ने राज्य स्तरीय समारोह से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का वर्चुअली प्रेरणादायी उद्बोधन सुना। जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने राजेश मीणा, सुभाष चंद शर्मा, राजेन्द्र कुमार मीणा, छोटा देवी एवं बाबुलाल हलवाई को इंडक्शन कुक टॉप सौंपे। यह इंडक्शन कुक टॉप ऊर्जा विभाग की ओर से पीएम सूर्य घर योजना अन्तर्गत प्रदान किए गए हैं। कार्यक्रम मलें जिला कलक्टर ने पंच गौरव जिला पुस्तिका का विमोचन किया। राजस्थान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में शुक्रवार को जिलेभर में राजकीय कार्यालयों में अधिकारी-कर्मचारियों ने राज्य के विकास में सक्रिय भागीदार बनने की शपथ ग्रहण की।

जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने जिला परिषद सभागार में अधिकारी-कर्मचारियों को राजस्थान की महान परंपराओं का सम्मान एवं निर्वहन करते हुए राज्य के विकास एवं खुशहाली में सक्रिय भागीदार बनने की शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि परंपरा के अनुसार, प्रतिवर्ष 30 मार्च को राजस्थान दिवस मनाया जाता है लेकिन 30 मार्च को राजपत्रित अवकाश होने के कारण 28 मार्च को शपथ समारोह का आयोजन किया गया।

जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक में कार्यकर्ता हुए मुखर

जिला कांग्रेस संगठन की बैठक में कार्यकर्ताओं ने जमकर निकाली भड़ास और लगाए आरोप

संगठन की जब कार्यकर्ताओं को जरूरत होती है तो उनका साथ नहीं देते है

राजस्थान की राजनीति

विष्णु/आशीर्वाद दौसा। जब से कांग्रेस के राहुल गांधी ने बयान दिया है कि कांग्रेस में दोगले लोग भी हैं ऐसे लोगों को बाहर निकला जायेगा। उसके बाद दौसा विधायक दीनदयाल बेरवा ने भी उनकी बात का समर्थन करते हुए ऐलान किया था कि कांग्रेस में ऐसे भी आदमी है जो कांग्रेस की चापलूसी भी करते हैं और बगावत भी करते हैं। उसके बाद से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में मुखर बयान आने लगे हैं। दौसा सांसद मुरारीलाल मीणा के निवास पर शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा नगर निकायों एवं पंचायत राज संस्थाओं में परिसीमन/ पुनर्गठन। सीमावृद्धि की जारी है। इसी का विरोध जताते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक जिला प्रभारी पूर्व विधायक इन्द्रराज गुर्जर की अध्यक्षता में आयोजित की गई लेकिन बैठक में कार्यकर्ताओं ने जमकर संगठन के खिलाफ मुकर होकर आरोप लगाया। इस बैठक में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जमकर अपनी भड़ास संगठन के शीर्ष पदाधिकारी और नेताओं के सामने खुलकर आरोप लगाते हुए कहा कि संगठन के लोग जब उनकी आवश्यकता होती है तो उन्हें बुलाया जाता है और जब कार्यकर्ताओं को उनकी जरूरत होती है तो उन्हें पूछते भी नहीं है। जो कांग्रेस के लोग सत्ता पर बैठे हुए उन्हें इस परिसीमन में क्या हो रहा है उन्हें पता ही नहीं है।

कार्यकर्ता का आरोप संघठन साथ देगा जबहि तो कार्यकर्ता साथ देगा

बांदीकुई से आए राधाकिशन मीणा ने कहा कि जब ग्रामीण क्षेत्र की समस्या होती है तो बिल्कुल भी संगठन उनके साथ नहीं लगता है। हम भले ही विपक्ष में हैं लेकिन कार्यकर्ता

सरकार के खिलाफ खूब बोलता है और बोल सकते हैं। लेकिन संगठन बिल्कुल भी विपक्ष की भूमिका नहीं निभा रहा है और ना ही सरकार के खिलाफ बोल रहा है और आप कहते हैं कि संगठन के साथ जूडो। लेकिन वह तभी तो जुड़ेंगे तब आप उनके साथ दोगे। तभी तो कार्यकर्ता आपके साथ जुड़ेगा और आप कहते हो कि मीटिंगों में लोग आते नहीं है फिर क्यों आयेगे आपकी मीटिंग में।

जिला मुख्यालय पर कार्यक्रम में 25 आदमी के साथ करना पड़ता है प्रदर्शन

वही कांग्रेस के शहर अध्यक्ष घनश्याम शर्मा ने कहा कि जब भी कोई संगठन के द्वारा जिला मुख्यालय पर कार्यक्रम होता है या कोई प्रदर्शन धरना होता है तो उसमें दौसा मुख्यालय के कार्यकर्ताओं के अलावा और जगह के विधानसभाओं से कार्यकर्ता नहीं आते हैं। ऐसे में जिला मुख्यालय पर होने वाले प्रदर्शन ठीक नहीं कर जाते हैं और सरकार और प्रशासन उसे पर ध्यान नहीं दे पता है। इसलिए आज सब शपथ लेकर जाओ जब भी कांग्रेस का कार्यक्रम होगा ज्यादा से ज्यादा संख्या में आएंगे। जिला मुख्यालय पर होने वाले प्रदर्शनों में जो जिला स्तर के सदस्य होते हैं उन्हें महज 25 आदमी आते हैं। सत्ता का सुख भोगने वाले इस्तीफा और पद छोड़ने की धमकी देकर ऊपर के नेताओं व संगठन पर दबाव बनाते हैं लालसोट विधानसभा से आये आये रवि सोनड़ ने जिला अध्यक्ष के सामने कहां की सत्ता का सुख भोगने वाले कार्यकर्ताओं की सुनवाई नहीं करते हैं। संगठन में बदलाव किया जाए जब बदलने की और जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं को पद देने की बात आती है तो नेता लोग फोन करके कह देते हैं कि इन्हें कोई पद नहीं दे देना वरना में अपने पद से इस्तीफा दे दूंगा, मैं छोड़ जाऊंगा इस तरह से कहकर ऊपर के नेताओं व संगठन पर दबाव बनाते हैं और ऐसे लोगों ने ही संगठन का सत्यानाश कर रखा है। नेता एसी में बैठकर आराम फरमाते रहते हैं और आप चाहते हो कि कांग्रेस का जो कार्यकर्ता अपना काम धंधा, खेती बाड़ी छोड़कर आपके आए। रतन पटेल ,लक्ष्मी नारायण मीणा एडवोकेट सहित कई कार्यकर्ताओ ने संघठन के सामने खूब खरी खोटी सुनते भड़ास निकाली। एक कार्यकर्ता ने इतना तक कह दिया मीटिंगों प्रदर्शन में तो बुला रहे हो क्या जो कार्यकर्ता आ रहा है उसे पंचायत या निकाय चुनाव में टिकिट भी दे दोगे क्या पहले ये तो बता दो।ब ये तो आने वाला वक्त बतायेगा कि विपक्ष में बैठा कांग्रेस संगठन अब ही कार्यकर्ताओ की नहीं सुन रहा तो जब सत्ता आयेगी तो फिर क्या हो ये देखने वाली बात है।

MAA: सरकारी क्षेत्र की पहली योजना, मरीजों के लिए इन-आउट बाउंड पोर्टेबिलिटी लाने की तैयारी, प्रदेश के मरीज देश में कहीं भी करा सकेंगे इलाज

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (मा) में अब राज्य के बाहर के मरीज सामान्य बीमारी से लेकर गंभीर बीमारी तक इलाज कराना आसान होगा। एलोपैथी से लेकर आयुष पद्धति और बच्चों से लेकर बुजुर्गों का इलाज आधुनिक तकनीक से करा सकेंगे। इसमें रोबोटिक सर्जरी भी शामिल है। प्रथम चरण में सरकार इनबाउंड पोर्टेबिलिटी के तहत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के पूर्व में संचालित ट्रांजेक्शन मैनेजमेंट सिस्टम (टीएमएस) 1.0 के स्थान पर टीएमएस 2.0 सॉफ्टवेयर को अपग्रेड किया जाएगा। जिसका ट्रायल चालू है और अगले दो माह में बाहर के मरीजों को इलाज मिल सकेगा। इसी तरह से आउट बाउंड पोर्टेबिलिटी के लिए नेशनल हैल्थ ऑथोरिटी नई दिल्ली की ओर से नेशनल हैल्थ क्लेम एक्सचेंज प्लेटफार्म का इस्तेमाल किया जाएगा। जिसमें 3 से 4 माह लगेंगे। योजना के पोर्टल को भी अपडेट किया जा रहा है। जिसमें 6 माह लगने की संभावना है। योजना के दायरे को बढ़ाने के लिए इंटर स्टेट पोर्टेबिलिटी लागू करने की घोषणा की जा चुकी है। सरकारी क्षेत्र में संचालित देश की सबसे बड़ी और सबसे अधिक बीमारियों के इलाज का कवर करने वाली बीमा योजना है।

यह पैकेज भी होगा शामिल

वर्ष 2025-26 में रोबोटिक, न्यूरो सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी एण्ड स्किन ट्रांसप्लांट, कार्डियोथोरेसिक एण्ड वेस्कुलर सर्जरी के पैकेज, 70 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए जीरियाट्रिक केयर पैकेज शामिल किए हैं। इसके अलावा ओरल कैंसर तथा आयुष पद्धतियों से इलाज भी जोड़ा जाना प्रस्तावित है। बजट घोषणाओं में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के लिए 73 डे-केयर एवं बच्चों के उपचार के लिए 419 पीडियाट्रिक पैकेज शामिल है।

मा योजना प्रदेश की हकीकत

पंजीकृत परिवार1.34 करोड़ से अधिक
सूचीबद्ध अस्पताल1800
बुक क्लेमकरीब 66 लाख
क्लेम पर अब तक व्यय राशि3394 करोड़
औसतन रोज लाभ वाले मरीज8200
रोजाना बुक क्लेम की राशि9.42 करोड़ रुपए
(अब तक की स्थिति)

3500 करोड़ रुपए का कोष होगा गठित

पिछली सरकार की चिरंजीवी योजना में पैकेज की संख्या 1806 थी। वर्तमान सरकार ने बढ़ाकर 2047 कर दिया है। राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रियंका गोस्वामी का कहना है कि नए पैकेज शामिल होने पर यह संख्या बढ़कर 2300 से अधिक हो जाएगी। साथ ही, योजना के संचालन के लिए सरकार ने 3500 करोड़ का डेडिकेटेड मा कोष गठित होगा।

कांग्रेस के पूर्व विधायक इन्द्रराज गुर्जर ने राणा सांगा पर की गई टिप्पणी पर जताया ऐतराज

राजस्थान की राजनीति

दौसा। राजस्थान के वीर योद्धा राणा सांगा के लिए उत्तर प्रदेश के समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के द्वारा की गई टिप्पणी पर पूरे देश भर में बबाल मचा है। बीजेपी इस मुद्दे को पूरी तरह से भुना रही है। तो वहीं इसकी आग संसद से लेकर अब राजस्थान में पहुंच गई है। ऐसे में शुक्रवार को दौसा सांसद निवास पर आयोजित जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित की गई जिसमें पूर्व विधायक व दौसा जिला प्रभारी इंद्रराज गुर्जर ने राणा सांगा के पक्ष में आ गए हैं।उन्होंने समाजवादी पार्टी के सांसद का कड़ा विरोध जाता है पूर्व विधायक ने कहा है कि राणा सांगा हमारे राजस्थान के नहीं पूरे देश के वीर योद्धा थे इतिहास पुरुष हैं उनके बारे में गलत टिप्पणी उनके बारे में नहीं करनी चाहिए ऐसे महान देवता के बारे में नहीं करनी चाहिए। मैं ऐसे किसी भी टिप्पणी का समर्थन नहीं करता हूं क्योंकि जो महान योद्धा जिनकी बदौलत आज हमारी विरासत है उसे विरासत पर उंगली उठाता है तो वह गलत है। कहकर अब पूर्व विधायक भी राजस्थान की विरासत और आन बान शान रहे राणा सांगा की पक्ष में खुलकर आ गए हैं और उन पर की गई टिप्पणी का विरोध जताते हुए का एतराज जताया है।

आई.सी.डी.एस. अधिकारियों और कर्मचारियों ने राज्य के विकास एवं खुशहाली में सक्रिय भागीदार बनने की ली शपथ

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। राजस्थान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में शुक्रवार को समेकित बाल विकास सेवाएं निदेशालय (आई सी डी एस) परिसर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निदेशक आईसीडीएस श्री ओ पी बुनकर द्वारा शपथ दिलवाई गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने निर्धारित प्रारूप अनुसार राजस्थान की महान परंपराओं का सम्मान एवं निर्वहन करते हुए राज्य के विकास एवं खुशहाली में सक्रिय भागीदार बनने की शपथ ली। उल्लेखनीय है कि राजस्थान दिवस समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा नव संवत् चौत्र शुक्ल प्रतिपदा को राजस्थान दिवस के सप्ताह-पर्यत आयोजन के रूप में मनाने की घोषणा की गई है। परंपरा के अनुसार, प्रतिवर्ष 30 मार्च को राजस्थान दिवस मनाया जाता है। 30 मार्च 2025 को राजपत्रित अवकाश होने के कारण, दिनांक 28 मार्च 2025 को 'राजस्थान दिवस सप्ताह-पर्यत उत्सव' के हिस्से के रूप में उक्त शपथ समारोह का आयोजन किया गया।

जयपुर में 250 की जगह होंगे 150 वार्ड

जयपुर, जोधपुर-कोटा में 1-1 निगम होंगे, वार्डों का पुनर्गठन 2 महीने में

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। अशोक गहलोत सरकार का 3 शहरों में 2-2 नगर निगम बनाने का फैसला शुक्रवार रात भाजपा सरकार ने बदल दिया। स्वायत्त शासन विभाग ने जयपुर, जोधपुर और कोटा में 2-2 निगमों को खत्म कर करने की अधिसूचना जारी दी। इन शहरों में अब 1-1 नगर निगम ही होंगे। हालांकि, नए निकाय चुनाव होने तक 2-2 मेयर और पार्षद काम करते रहेंगे। चुनाव के बाद एक-एक मेयर होंगे। इसके साथ ही प्रदेश में कुल निगम 13 से घटकर 10 रह जाएंगे। इधर, स्वायत्त शासन विभाग की ओर से अधिसूचना जारी होते ही सियासी हल्कों में राजनीति तेज हो गई। पिछली कांग्रेस सरकार ने 18 अक्टूबर 2019 को तीनों शहरों में एक से विस्तार करके 2-2 नगर निगम बनाए थे। गौरतलब है कि पिछले दिसंबर से प्रदेश में निकायों के वार्ड का पुनर्गठन व शहरों का परिसीमन का काम चल रहा था। निकायों का विस्तार किया जा रहा है।

इससे पहले सरकार के बड़े फैसले- 9 जिले, 3 संभाग खत्म, 12 पालिका बनाई पंचायत

भाजपा सरकार ने 28 दिसंबर को पाली, सीकर एवं बांसवाड़ा संभाग खत्म कर दिए थे। वहीं, दूदू, केकड़ी, गंगापुर सिटी, नीम का थाना, सांचौर, शाहपुरा, अनूपगढ़, जोधपुर ग्रामीण और जयपुर ग्रामीण जिले निरस्त कर दिए। गहलोत सरकार ने अगस्त, 2023 में 19 नए जिले एवं 3 नए संभाग बनाए थे। इसी तरह राज्य सरकार ने दो दिन पहले 12 नगरपालिकाओं का दर्जा खत्म कर उन्हें पंचायत बना दिया है।

वार्डों के पुनर्गठन के बारे में वह सबकुछ जो आप जानना चाहते हैं

1. मेयर और पार्षदों का क्या होगा, वार्ड घटेंगे या बढ़ेंगे?
नवंबर तक तीनों शहरों में निगमों का कार्यकाल है। ऐसे में यहां 2-2 मेयर और पार्षद अभी रहेंगे। नए परिसीमन के बाद वार्डों की संख्या घटाकर 2 माह में फाइनल होगी।
2. आखिर सरकार को ऐसा फैसला क्यों लेना पड़ा ?
प्रदेश में बीजेपी ने सरकार बनते ही 2-2 निगम समाप्त करने का ऐलान किया था। मंत्री कई बार घोषणा कर चुके हैं। अब मंत्री खर्रा ने कहा कि मुंबई में जयपुर जैसे 8 शहर आ सकते हैं। उसमें ही जब वृहतर नगर निगम है तो जयपुर, जोधपुर और कोटा में 2-2 निगमों का औचित्य क्या है? कम वार्ड और एक निगम से विकास में आसानी रहती है।
3. इन शहरों की जनता का फायदा-नुकसान क्या होगा?
विपक्ष का कहना है कि वार्ड बड़े हो जाएंगे। लोगों की वार्ड तक पहुंच कम हो जाएगी। जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र में कई प्रकार की दिक्कतें आएंगी। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष का कहना है कि कम वार्ड होने और एक-एक मेयर होने से जनता की एप्रोच सहज होगी। वार्ड के विकास का प्लान लागू करने में सरकार को आसानी होगी।
4. जयपुर में 150, जोधपुर और कोटा में 100-100 वार्ड होंगे
यूडीएच एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने बताया कि तीनों शहरों में 1-1 निगम करने के बाद अब जयपुर में फिर से 150 वार्ड होंगे। जोधपुर में 100 और कोटा में 100 वार्ड रहेंगे।

चिंतन

चालू खाता घाटा बढ़ने का पड़ेगा नकारात्मक असर

बेशक भारत तेज जीडीपी दर वाला देश हो, लेकिन आर्थिक संकेतक चेतावनी दे रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश का चालू खाता घाटा मौजूदा वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में बढ़कर 11.5 अरब डॉलर यानी जीडीपी का 1.1 प्रतिशत हो गया। चालू खाते के घाटे (कैड) में वृद्धि का मुख्य कारण व्यापार घाटे का अधिक होना है। एक साल पहले की समान तिमाही में यह 10.4 अरब डॉलर (सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी का 1.1 प्रतिशत) था। राजस्व घाटे में भी लगातार वृद्धि हुई है। उद्योग जगत से भी चिंताजनक आंकड़े आए हैं। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर फरवरी में घटकर पांच महीने के निचले स्तर 2.9 प्रतिशत पर आ गयी। पिछले साल इसी महीने में बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत रही थी। मासिक आधार पर इन उद्योगों की वृद्धि दर जनवरी में दर्ज 5.1 प्रतिशत की वृद्धि से कम रही। इससे पहले सितंबर में 2.4 प्रतिशत की न्यूनतम वृद्धि दर्ज की गई थी। फरवरी में कच्चा तेल तथा प्राकृतिक गैस उत्पादन की वृद्धि में गिरावट आई। आठ प्रमुख क्षेत्र (क्रूड ऑयल, प्राकृतिक गैस, कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, सीमेंट, उर्वरक, इस्पात व बिजली) औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 40.27 प्रतिशत का योगदान करते हैं। डॉलर के मुकाबले रुपये कमजोर होते जा रहे हैं, शेयर बाजार में उठापटक जारी है। सोने पर भारी दबाव है, पिछले दो तिमाही से जीडीपी दर सिकुड़ रही है, ऐसे में सरकार के लिए आर्थिक मोर्चे पर स्थिति जल्द संभालने की आवश्यकता है। चालू खाता घाटा (करेंट अकाउंट डेफिसिट-कैड) बढ़ने से अर्थव्यवस्था पर कई तरह के नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं, जैसे कि मुद्रा की कीमत में गिरावट, विदेशी निवेश में कमी, और ऋण स्तर में वृद्धि आदि। चालू खाता घाटा लगातार बना रहने पर सरकार को इसका वित्तपोषण करना पड़ता है और ऋण लेना पड़ता है। साथ ही कैड बढ़ने देश में आर्थिक संकट का संकेत मिलता है, जिसका अर्थ है कि क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां देश की रेटिंग घटा सकती हैं। कैड में व्यापार खाता (वाणिज्यिक वस्तुओं का आयात और निर्यात), सेवा खाता (सेवाओं का आयात और निर्यात) और विदेश से शुद्ध आय (जैसे कि प्रेषण) शामिल हैं। चालू खाता घाटा की स्थिति तब होती है जब किसी देश के वस्तु और सेवाओं के आयात का मूल्य उसके निर्यात से अधिक होता है। कैड बढ़ने का असर विकास पर पड़ता है, क्योंकि यह राष्ट्रीय निवेश और बचत से निकटता से जुड़ा हुआ है। यह विनिमय दरों को प्रभावित करता है और इस प्रकार किसी अर्थव्यवस्था की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को भी प्रभावित करता है। विदेशी मुद्रा बाजार में रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप से भी कोई मदद नहीं मिल रही है। रुपये में गिरावट जारी है। कैड और राजकोषीय घाटा संयुक्त रूप से दोहरा घाटा है जो शेयर बाज़ार और निवेशकों को प्रभावित कर सकते हैं। कैड का बढ़ना देश में निवेश सेंटिमेंट को बढ़ाता है। हाल के महीनों में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार से पैसे निकाले हैं। पिछले कुछ महीनों से भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ा है, जिसका मतलब है हम निर्यात से अधिक आयात कर रहे हैं, यह स्थिति तब है जब सरकार मेक इन इंडिया व वोकल फोर लोकल अभियान चला रही है। व्यापार घाटा बढ़ने का ही नतीजा है कि केड बढ़ रहा है। आयात पर अंकुश लगाकर व निर्यात को बढ़ावा देकर सरकार चालू खाता घाटा को कम कर सकती है। भारत को ग्लोबल मार्केट में अपने लिए नए अवसर बनाने चाहिए।

विश्लेषण

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

देश में सहकारिता से आएगा बदलाव

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी विधेयक, 2025 पेश कर दिया और सदन ने इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित भी कर दिया है। देश में निश्चय ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ करने की दिशा में गहरी सोच का अभाव था, स्वरोजगार और छोटी उद्यमिता के विकास में अरुचि थी। इससे न तो सामाजिक समावेशिता के लक्ष्य पूर्ण हो पा रहे थे और न ही नवाचार में हमारे युवाओं व वैज्ञानिकों के बीच सोच विकसित हो पा रही थी। भारत में नरेंद्र मोदी सरकार के बाद सहकारिता मंत्रालय की स्थापना एक दूरदर्शी लक्ष्य रहा है।

भारत में सहकारिता का यह स्वर्णिम काल है। इस समय देश के गृह मंत्री अमित शाह ने स्वयं सहकारिता आन्दोलन की बयार को तेज कर दिया है। देश में आज़ादी के बाद सहकारिता को लेकर किया जा रहा कार्य स्वर्णाक्षरों में अंकित हो रहा है, ऐसा कहा जाए तो कोई अतिश्योक्तिपूर्ण बात न होगी। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी विधेयक, 2025 भी पेश कर दिया और सदन ने इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया है। देश में निश्चय ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ करने की दिशा में गहरी सोच का अभाव था, स्वरोजगार और छोटी उद्यमिता के विकास में अरुचि थी। इससे न तो सामाजिक समावेशिता के लक्ष्य पूर्ण हो पा रहे थे और न ही नवाचार में हमारे युवाओं व वैज्ञानिकों के बीच सोच विकसित हो पा रही थी। भारत में नरेंद्र मोदी सरकार के बाद सहकारिता मंत्रालय की स्थापना एक दूरदर्शी लक्ष्य रहा है।

इस मंत्रालय की बागडोर सहकारिता में अभिरुचि रखने वाले नेता अमित शाह ने जब सम्हाली तो उन्होंने कम समय में बहुत कुछ कर दिखाया जिससे आज भारत का आम आदमी लाभान्वित हो रहा है। वस्तुतः भारत में सहकारिता में जनमानस की अपनी सहभागिता दिखती रही है। सहकारिता मंत्रालय बन जाने से इस क्षेत्र में फोकस होकर कार्य करने और उपलब्धियों को हासिल करने में बल मिला है। इससे जन सरोकार को बल मिला है और अच्छी बात यह है कि भारत के लोग अपने उद्यम, अपने श्रम और अपनी गरिमा को संयोजित व सुरक्षित करने लगे हैं। लोकसभा में त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी विधेयक, 2025 पेश करते हुए सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा भी कि सहकारिता एक ऐसा विषय है जो देश में हर परिवार को छूता है। हर गाँव में कोई न कोई ऐसी इकाई है जो सहकारिता के माध्यम से कृषि विकास, ग्रामीण विकास और स्वरोजगार के काम में जुटी हुई है और देश के विकास में योगदान करती है। आजादी के 75 वर्षों बाद आज देश को पहला सहकारिता विश्वविद्यालय मिल रहा है। इस विधेयक के पारित होने के बाद ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी, स्वरोजगार और छोटी उद्यमिता का विकास होगा, सामाजिक समावेशिता बढ़ेगी और नवाचार तथा अनुसंधान में कई नए मानांक स्थापित करने के अवसर भी मिलेंगे। सबसे अहम् बात जो अमित शाह ने कही, वह यह कि इस प्रकार पूरे देश को सहकारिता की भावना से युक्त और आधुनिक शिक्षा से लैस एक नया सहकारिता नेतृत्व मिलेगा।

भारतीय समाज में सहकारिता की यह अलख जगाने की इच्छाशक्ति निःसंदेह प्रशंसनीय है और अनुकरणीय भी है। भारतीय जनमानस को स्वावलंबन देने व अपने संकल्प से देश को विकास पथ पर आगे ले जाने की दिशा में यह अमित शाह का कार्य है। उनकी इस विश्वविद्यालय को स्थापित करने के पीछे मंशा बहुत पवित्र है, सबसे महत्वपूर्ण यह है। वह इस कोऑपरेटिव क्षेत्र के विकास और विस्तारित करने की कोशिश में हैं। वह चाहते हैं कि प्रशिक्षित मानव संसाधन की जरूरत हमें पड़ेगी, उसकी भरपाई त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी से वह पूरा कर सकें। अमित शाह ने उम्मीद ही नहीं विश्वास व्यक्त किया है कि सहकारी यूनिवर्सिटी बनने के बाद इसके डिप्लोमा और डिग्री धारकों को नौकरी

मिलेगी। इस यूनिवर्सिटी से हम डोमेस्टिक के साथ ग्लोबल वैल्यू चैन में भी बड़ा योगदान करेंगे। न्यू एज कोऑपरेटिव कल्चर भी इस यूनिवर्सिटी से शुरू होगा। उनकी चिंता है कि देशभर में हजारों की संख्या में सहकारी शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान फैले हुए हैं, मगर इनके कोर्स में कोई मानकीकरण नहीं है। वह चाहते हैं कि इसे हम व्यवस्थित कर सकें। उन्होंने इसीलिए लोक सभा में विधेयक पेश करते हुए अपने ज़वाब में कहा कि हमने यूनिवर्सिटी बनने से पहले ही कोऑपरेटिव क्षेत्र की जरूरत को ध्यान में रखकर कोर्स डिजाइन का काम शुरू कर दिया है। यूनिवर्सिटी में डिग्री, डिप्लोमा कोर्स भी होंगे और पीएचडी की डिग्री भी दी जाएगी। साथ ही सहकारिता के क्षेत्र में काम कर सभी मौजूदा कर्मचारियों के लिए अल्पावधि का सर्टिफिकेट कोर्स भी होगा।

सहकारिता क्षेत्र को समर्पित देश का पहला विश्वविद्यालय आजादी के 75 साल बाद बनेगा और सोचिए कि जब उससे हमारे देश की युवा आबादी प्रशिक्षित होगी तो सहकारिता को बढ़ावा देने वाले लोग, सहकारिता की सोच को आगे बढ़ाने वाले बौद्धिक वर्ग को हम तैयार करेंगे। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह चाहते हैं कि प्रतिवर्ष लाखों युवा लोग डिप्लोमा, डिग्री या सर्टिफिकेट लेकर सहकारी आंदोलन में सम्मिलित हों। शाह ने कहा भी कि वे 18 वर्ष की आयु से कोऑपरेटिव से जुड़े रहे हैं और इसकी खूबियों और कमियों का अनुभव किया है। मोदी जी एक समृद्ध भारत की नींव डाल रहे हैं और यह विधेयक इसमें मजबूत स्ट्रक्चर प्रदान करेगा। त्रिभुवन दास पटेल की सोच थी कि सहकारी क्षेत्र में मुनाफा हर गरीब महिला तक पहुंचे, इसलिए यह यूनिवर्सिटी उनके नाम पर रखने का प्रस्ताव किया गया है। इस विश्वविद्यालय के बनने से निश्चय ही अमित शाह के अपने सहकारिता सोच व स्वप्न को साकार होते हुए भारत के लोग देखेंगे और उससे लाभान्वित होंगे। दुनिया में बहु-क्षेत्रीय स्वनिर्भर सहकारिता संगठन आगे आकर कार्य कर रहे हैं। सहकारिता क्षेत्र को बढ़ावा देने वाली शिक्षण व कौशल निर्माण कार्यशालाओं का आयोजन विश्व भर में किया जा रहा है। जैसा कि केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस विधेयक के माध्यम से सहकारी सिद्धांतों और सहकारी गतिविधियों का विस्तार होगा, कोऑपरेटिव क्षेत्र को नई प्रोद्योगिकी का फायदा होगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। साथ ही अनुसंधान और नवाचार भी बढ़ेंगे और जमीनी स्तर पर कोऑपरेटिव क्षेत्र मजबूत भी होगा। त्रिभुवन दास जैसे महान व्यक्ति के नाम से जुड़े होने के कारण यह सहकारी यूनिवर्सिटी उच्च कोटि की यूनिवर्सिटी सिद्ध होगी। यह देश में बहुत अच्छे सहकारिता कर्मी देने का काम करेगी। यह उनका स्वाभाविक इच्छाशक्ति और अपनी आत्मशक्ति का प्रतिफल है। निःसंदेह अब त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय से सहकारी क्षेत्र को संगठनों की कार्यक्षमता में सुधार, प्रशिक्षित मानव संसाधनों से पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा। डिजिटल नवाचार के तहत सहकारी प्लेटफार्मों पर अनुसंधान, अंतरराष्ट्रीय मानकों पर सहकारी संस्थानों का निर्माण और नई फंडिंग योजनाओं के विकास के लिए वित्तीय रणनीतियों का सृजन होगा तो इससे देश ही विकास करेगा। अमित शाह ने अपने कम समय में जो प्रतिष्ठित अवदान विश्वविद्यालय के रूप में दिया है, उसका अभिनन्दन किया जाना चाहिए। यह सहकारिता के लिए नए नैरेटिव की स्थापना है। यह उनका भारत निर्माण की दिशा में किया जा रहा सद्प्रयास है। त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी विधेयक, 2025 भले ही अभी शुरू हो रहा हो, लेकिन आने वाले 2047 तक यह विश्वविद्यालय लाखों युवा सहकारी पैरोकारों को तैयार कर चुका होगा।

(लेखक राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं और केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

वर्ल्ड बाइपोलर डे

खुशी जिंदल

मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाना जरूरी

हम अक्सर शारीरिक बीमारियों के बारे में खुलकर बात करते हैं, लेकिन मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा करने से कतराते हैं। अगर कोई व्यक्ति डिप्रेशन या किसी अन्य मानसिक बीमारी से जूझ रहा हो, तो समाज उसे समझने की बजाय 'पागल' या 'अजीब' कहकर उसका आत्मविश्वास और भी गिरा देता है। यही कारण है कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को अक्सर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है, जबकि ये उतनी ही वास्तविक और गंभीर होती हैं जितनी कोई शारीरिक बीमारी। आज के समय में, जहां तनाव और चिंता हमारे जीवन का हिस्सा बन चुके हैं, मानसिक बीमारियों का बढ़ना स्वाभाविक है।

आज के दिन यानि 30 मार्च को "वर्ल्ड बाइपोलर डे" मनाया जाता है ताकि बाइपोलर डिसऑर्डर जैसी मानसिक समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके और इस विषय पर खुलकर बात की जा सके। बाइपोलर डिसऑर्डर एक गंभीर मानसिक बीमारी है जिसमें व्यक्ति के मूड में तीव्र और अनियमित बदलाव होते हैं। यह बदलाव हफ्तों या महीनों तक रह सकते हैं और व्यक्ति की रोज़मर्रा की ज़िंदगी, रिश्तों और कामकाज पर गहरा असर डाल सकते हैं। इस बीमारी में व्यक्ति के भावनात्मक अनुभव दो विपरीत दिशाओं में जा सकते हैं। एक समय पर वह अत्यधिक उत्साहित, ऊर्जावान और आत्मविश्वासी महसूस कर सकता है। इस दौरान व्यक्ति को कम सोने पर भी थकान महसूस नहीं होती और उसका दिमाग तेजी से विचारों से भरा रहता है। वह एक बात पूरी किए बिना दूसरी पर चला जाता है और अत्यधिक बातें करने लगता है। इस अवस्था में कई बार व्यक्ति बिना सोचे-समझे बड़े फैसले ले लेता है, जैसे बेवजह पैसे खर्च करना, तेज़ गाड़ी चलाना या जोखिम भरे काम करना। दूसरी अवस्था में व्यक्ति अत्यधिक उदास, अकेला और निराश महसूस करता है। उसे ऐसा लग सकता है कि उसकी ज़िंदगी में कुछ भी अच्छा नहीं है। पहले जिन चीज़ों में रुचि थी, उनमें अब कोई आनंद महसूस नहीं होता। व्यक्ति या तो बहुत ज़्यादा सोता है या बिल्कुल नहीं सो पाता। हर समय थकान और ऊर्जा की कमी बनी रहती है। नकारात्मक विचार हावी हो जाते हैं, यहां तक कि व्यक्ति आत्महत्या के बारे में भी सोच सकता है। अगर कोई व्यक्ति इनमें से कुछ लक्षण महसूस करता है या उसके आसपास कोई इनका अनुभव कर रहा है, तो उसे नजरअंदाज या तिरस्कार करने के बजाय एक अच्छे मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, जैसे कि साइकोलॉजिस्ट या साइकियाट्रिस्ट से संपर्क करना चाहिए। बाइपोलर डिसऑर्डर का सही इलाज संभव है और समय पर उपचार से व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है।

सबसे ज़रूरी यह है कि इस बीमारी से जूझ रहे व्यक्ति को समाज से समर्थन और समझ मिले, न कि तिरस्कार। इसे नियंत्रित रखने के लिए कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिए, नशे और शराब से बचें, क्योंकि ये लक्षणों को और बिगाड़ सकते हैं। समय पर डॉक्टर से सलाह लें। अपने परिवार और दोस्तों को अपनी स्थिति के बारे में बताएं ताकि वे सही समय पर सहायता कर सकें। नियमित दिनचर्या बनाए रखें, तनाव कम करें और पर्याप्त नींद लें। सबसे जरूरी बात, डॉक्टर द्वारा दी गई दवाओं को नियमित रूप से लें और बिना सलाह के बंद न करें। मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए सकारात्मक सोच, नियमित व्यायाम, अच्छी नींद, संतुलित आहार और अपनों से बातचीत करना जरूरी है। ये आदतें न केवल तनाव को कम करती हैं, बल्कि गंभीर मानसिक बीमारियों, जैसे बाइपोलर डिसऑर्डर, से भी बचाने में मदद करती हैं। जब हम अपनी भावनाओं को समझते और नियंत्रित करते हैं, तो अचानक आने वाले मूड स्विंग्स, अत्यधिक उदासी या अतिउत्साह जैसी स्थितियों से बच सकते हैं। मानसिक बीमारियों को जितना जल्दी पहचाना जाए, उतना ही जल्दी सही इलाज संभव होता है। इस वर्ल्ड बाइपोलर डे पर हमें मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ानी चाहिए, क्योंकि यह भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है।

(लेखिका क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अहिंसा के प्रयोग

संकलित

दर्शन

हिंसा को किसी भी प्रकार से रोकना या इसके प्रभाव को कम करना, समाज का अनिवार्य कर्तव्य है। हिंसा अनेक तरह की हो सकती है। शारीरिक हिंसा के अतिरिक्त यह मानसिक, शाब्दिक या परोक्ष भी हो सकती है। ऐसी स्थितियां उत्पन्न कर देना, जिससे भय एवं आतंक की छाया में जीवन हर समय आशंकित हो, अव्यवस्थित हो- अप्रत्यक्ष हिंसा है। इसलिए प्रत्येक हिंसा का शमन ही मानव के लिए हितकारी है। हिंसा किसी पशु या अमानुष का विषय हो सकती है, परंतु मानव का धर्म कतई नहीं हो सकती। अहिंसा परमो धर्मः, यही सत्य वचन है। हिंसा किसी समस्या का हल नहीं है। अहिंसा सभी समस्याओं का हल है। लोगों के मन के भीतर प्रेम का बीज होता है, घृणा का फल नहीं। सावधानी से आदर्श व्यवहार का धैर्यपूर्वक पालन किया जाए तो विवाद की स्थिति नहीं आ सकती। किसी विवाद के उत्पन्न होने से शांति के लिए सदैव एक राह शेष रहती है, इस तथ्य को गांठ बांध लेना चाहिए।

वार्ता से रास्ता निकलता है। संवेदनहीनता से मानवता का मार्ग अवरुद्ध होगा। आप भगवान को मानें या न मानें, इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ेगा, बल्कि इससे आपका महत्व अवश्य बढ़ेगा या घटेगा। इसी तरह प्रकृति के विषय में सार्थक सोच होना चाहिए। नैतिकता के पाठों में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। हिंसा तो मानवता के लिए विष के समान है। अहिंसा का प्रयोग करने वाले व्यक्ति शांति के सच्चे नायक हैं।

मूर्ख साधू और ठग

संकलित

प्रेरणा

किसी गाँव के मंदिर में देव शर्मा नाम का एक प्रतिष्ठित साधू रहता था। उसे अपने भक्तों से दान में तरह- तरह के वस्त्र, उपहार, खाद्य सामग्री और पैसे मिलते थे। उन वस्त्रों को बेचकर साधू ने काफी धन जमा कर लिया था। वह अपने धन को एक पोटली में रखता था और उसे हमेशा अपने साथ लेकर ही चलता था। उसी गाँव में एक ठग रहता था। ठग हमेशा साधू का पीछा किया करता था, लेकिन साधू उस गठरी को कभी अपने से अलग नहीं होने देता। उसने साधू से मिन्नत की कि वह उसे अपना शिष्य बना ले क्योंकि वह ज्ञान प्राप्त करना चाहता था। साधू तैयार हो गया और इस तरह से वह ठग साधू के साथ ही मंदिर में रहने लगा। ठग मंदिर की साफ सफाई से लेकर अन्य सभी कार्य भी करता था। एक दिन साधू को पास के गांव में एक अनुष्ठान के लिए आमंत्रित किया गया, साधू ने वह आमंत्रण स्वीकार किया और निश्चित दिन साधू अपने शिष्य के साथ अनुष्ठान में भाग लेने के लिए निकल पड़ा। रास्ते में एक नदी पड़ी और साधू ने स्नान करने की इच्छा व्यक्त की। उसने पैसों की गठरी को एक कम्बल के भीतर रखा और उसे नदी के किनारे रख दिया। उसने ठग से सामान की रखवाली करने को कहा और खुद नहाने चला गया। ठग को तो कब से इसी पल का इंतज़ार था। जैसे ही साधू नदी में डुबकी लगाने गया, वह रुपयों की गठरी लेकर चम्पत हो गया। शिक्षाः किसी अजनबी की चिकनी चुपड़ी बातों में आकर ही उस पर विश्वास नहीं कर लेना चाहिए।

ट्रेंड

एकजुट होकर काम करेंगे

कर्नाटक के जिला कांग्रेस अध्यक्षों से मुलाकात की। वे पार्टी की विचारधारा की रक्षा और प्रचार में सबसे आगे हैं। हम सब मिलकर पार्टी को मजबूत करेंगे और लोगों के कल्याण और संविधान की रक्षा के लिए एकजुट होकर काम करेंगे।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

शासन-प्रशासन निष्क्रिय

प्रतापगढ़ में दलित समाज की युवती की मौत पर शासन-प्रशासन की निष्क्रियता और उदासीनता से भीड़ के आक्रोशित होने के लिए भाजपा सरकार स्वयं ज़िम्मेदार है। शासन-प्रशासन 'पीडीए समाज' में किसी की मौत होने पर भी चुप्पी साधकर बैठ जाता है।

-अखिलेश यादव, सपा सांसद

सीमाओं को आगे बढ़ाएं

सफलता का मतलब नियमों का पालन करना नहीं है। इसका मतलब है उन्हें फिर से लिखना। अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाएँ, तेज़ी से आगे बढ़ें और हमेशा चादर से ज़्यादा पैर फैलाएं !

-अनिल अग्रवाल, उद्यमी

समय मन की रचना

जितना अधिक आप क्वांटम विज्ञान और रहस्यवाद का अध्ययन करते हैं, उतना ही आपको एहसास होता है कि कुछ भी शुरू नहीं हुआ और कुछ भी समाप्त नहीं हुआ। समय मानव मन की रचना है। इसलिए सबसे अच्छी कहानियाँ अंत का सुझाव देती हैं।

-शेखर कपूर, फिल्मकार

श्रीमाली समाज का सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार 1 अप्रैल से: दो दिन तक होंगे आयोजन, समाज के लोग लेंगे हिस्सा

राजस्थान की राजनीति

पाली। पाली शहर में श्रीमाली ब्राह्मण समाज विकास समिति और श्रीमाली समाज के युवा संगठन श्रीमाली गरबा मंडल के देखरेख में 1-2 अप्रेल को सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन होगा।

समाज अध्यक्ष पीएम जोशी ने बताया- 1 अप्रैल की दोपहर साढ़े तीन बजे शहर के शिवबाड़ी में पाट बिठाने का कार्यक्रम होगा। शाम पांच बजे वीरा वदाई, उसके बाद मांगलोत कार्यक्रम होगा। 2 अप्रैल की सुबह 6 बजे यज्ञोपवीत संस्कार कार्यक्रम माली समाज भवन में होगा।

शाम चार बजे काशी प्रस्थान कार्यक्रम लखोटिया उद्यान में होगा। उसके बाद बड़वा कार्यक्रम होगा। शहर के नागा बाबा बगेची परिसर में शाम सात बजे महाप्रसादी का आयोजन होगा। पूरे कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रीमाली समाजबंधु भाग लेंगे। इस आयोजन की तैयारियों में उपाध्यक्ष रविशंकर दवे, सांस्कृतिक मंत्री अभिषेक व्यास सहित श्रीमाली ब्राह्मण समाज विकास समिति और श्रीमाली समाज के युवा संगठन श्रीमाली गरबा मंडल के पदाधिकारी जुटे हुए हैं।

प्रदेश का पहला 'ए' ग्रेड प्राप्त कृषि विवि बना जोधपुर

आईसीएआर से यह 5 वर्षीय मान्यता मिलने से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर, रिसर्च को मिलेगी विशिष्ट पहचान

राजस्थान की राजनीति

जोधपुर। जोधपुर के कृषि विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की ओर से पहली बार 'ए% ग्रेड मान्यता मिली है। प्रदेश में ए ग्रेड हासिल करने वाला यह पहला कृषि विवि बन गया है। आईसीएआर ने विवि को यह मान्यता पांच वर्ष, 29 मार्च 2024 से 28 मार्च 2029 तक की समयावधि के लिए प्रदान की है। इसके लिए कुलपति डॉ. अरुण कुमार की उपस्थिति में आईसीएआर की पीयर रिव्यू टीम ने 11-12 फरवरी को विवि का दौरा किया था।

समीक्षा टीम ने इस दौरान शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रसार शिक्षा के लिए सभी सुविधाओं एवं उपलब्धियों का गहन निरीक्षण कर सत्यापन किया था। साथ ही विद्यार्थियों एवं किसानों से विस्तृत फीडबैक भी लिया था। विवि के अधिकारियों, शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक सदस्यों ने पहली बार पांच वर्षों के लिए इस प्रतिष्ठित उपलब्धि का श्रेय कुलपति के मागदर्शन व उनके प्रयासों को दिया है।

प्रतिष्ठित कृषि शिक्षा संस्थानों में जोधपुर भी

कुलपति डॉ. कुमार ने कहा कि शैक्षणिक, शोध और प्रसार गतिविधियों को नई दिशा देने में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा निभाई गई भूमिका को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। ए ग्रेड मान्यता मिलने से यह विवि देश के प्रतिष्ठत्तम कृषि शिक्षा संस्थानों में शुमार हो गया है। यह उपलब्धि कृषि विज्ञान के क्षितिज व उच्च कोटि के अनुसंधान को बढ़ाने में मददगार होगी। इससे विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय व वैश्विक स्तर पर अलग पहचान होगी। कुलपति ने इस बड़ी उपलब्धि के लिए कुलाधिपति व राज्यपाल हरीभाऊ बागड़े व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताते हुए सामंजस्य व समर्पण से काम करने वाले विवि के सभी सदस्यों को बधाई दी।

'ए' ग्रेड मान्यता से मिलेंगे ये फायदे

निदेशक, शिक्षा, डॉ. प्रदीप पगारिया ने बताया कि आईसीएआर देश और विदेश के विद्वानों और छात्रों को केवल मान्यता प्राप्त संस्थानों में नामांकित करता है। यह ग्रेडिंग दुनिया भर से मेधावी छात्रों को इस विश्वविद्यालय की ओर आकर्षित करेगी। साथ ही 'ए' ग्रेड मान्यता से विश्वविद्यालय को आईसीएआर और अन्य वित्त पोषण एजेंसियों से अनुदान व अन्य तकनीकी सहायता भी प्राप्त हो सकेगी। आईसीएआर से मान्यता प्राप्त संस्थाओं से अध्ययन करने पर विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध होते हैं। इस मान्यता से से संस्थान की प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी के साथ कृषि वैज्ञानिकों एवं शिक्षकों के अनुसंधान कार्यों को भी विशेष पहचान मिलती है।

मिला 3.10/4.00 का स्कोर

आईसीएआर की 'ए' ग्रेडिंग में विश्वविद्यालय से संबद्ध कृषि महाविद्यालय, जोधपुर, कृषि महाविद्यालय, नागौर व कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में संचालित बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर प्रोग्राम, स्नातकोत्तर के विभिन्न प्रोग्राम सहित जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, एग्रोनॉमी एवं वेजिटेबल साइंस में डॉक्टरेट प्रोग्राम शामिल हैं। इस ग्रेड के लिए विश्वविद्यालय को 3.10/4.00 का स्कोर प्रदान किया गया है।

यह सदस्य रहे थे शामिल

कृषि विवि की जनसंपर्क अधिकारी डॉ. संगीता शर्मा के अनुसार विश्वविद्यालय में आईसीएआर की 'पीयर रिव्यू टीम% की ओर से डॉ. एनसी गौतम, पूर्व कुलपति, एमसीजीवीवी, चित्रकूट, डॉ. अजय कुमार शाह, डीन, एग्रीकल्चर, बीएयू, साबोर, जी. करुणा सागर, डीन, एग्रीकल्चर, एएनजीआरएयू, गुंटुर, एवं डॉ. दिनेश चंद, प्रधान वैज्ञानिक, शिक्षा विभाग, आईसीएआर ने मुख्य रूप से विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियां, संबद्ध महाविद्यालयों की कार्य प्रणाली, अनुसंधान प्रक्षेत्रों का भ्रमण सहित कृषि विज्ञान केन्द्रों का भ्रमण कर किसानों से केन्द्रों पर संचालित होने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में फीडबैक लेकर समीक्षा की थी।

राजस्थान में ठंडी हवा के कारण 7 डिग्री गिरा पारा

कल भी रहेगा असर, अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के नीचे आया

राजस्थान की राजनीति

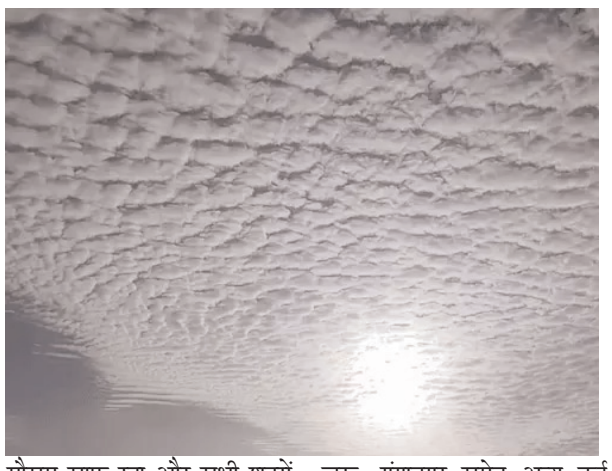

जयपुर। उत्तर भारत से चली ठंडी हवा ने राजस्थान के शहरों में तापमान 7 डिग्री सेल्सियस तक गिरा दिया है। गंगानगर, सीकर में शुक्रवार को दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ।

बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर में भी तापमान में 2 से लेकर 6 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हुई, जिसके कारण इन शहरों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे दर्ज हुआ।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक राज्य में अगले 2 दिन तापमान में थोड़ी और गिरावट होने की संभावना है। 1-2 अप्रैल से राज्य में हवा की दिशा बदलकर उत्तर से पश्चिमी हो जाएगी, जिसके बाद तापमान में बढ़ोतरी दर्ज होगी।

2 से 7 डिग्री तक का अंतर

पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में मौसम साफ रहा और सभी शहरों में धूप तेज रही। राज्य के अधिकांश शहरों में सुबह से लेकर देर शाम तक हल्की ठंडी हवा चली। इससे राज्य में भीलवाड़ा को छोड़कर सभी शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। अलवर, पिलानी, सीकर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, बीकानेर, चूरू, गंगानगर समेत अन्य कई शहरों में अधिकतम तापमान में 2 से लेकर 7 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज हुई।

रात का टेम्प्रेचर गिरा, फतेहपुर में पारा 10 डिग्री से नीचे

राज्य के कई शहरों में उत्तरी हवाओं के असर से रात का न्यूनतम तापमान भी गिर गया। सीकर के पास फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

पाली में 9.9 डिग्री सेल्सियस, बीकानेर में 14.8, पिलानी और सीकर में 15.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जैसलमेर, चूरू और गंगानगर में भी न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ।

अब आगे क्या?

जयपुर मौसम विज्ञान केन्द्र ने राजस्थान में अगले दो दिन उत्तरी हवाओं का असर रहने और तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक की ओर गिरावट होने की संभावना जताई है।

1-2 अप्रैल से राज्य में पश्चिमी हवा का प्रभाव बढ़ेगा और तापमान में बढ़ोतरी दर्ज होगी, जिससे न्यूनतम और अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज होगी।

शिक्षा विभाग की लापरवाही: 9 जिले खत्म, इन्हीं में 68 पदों पर हो रही है लाइब्रेरियन भर्ती

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से हो रही लाइब्रेरियन भर्ती में जिलावार पदों के वर्गीकरण को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई है। पिछले दिनों सरकार ने 9 जिले खत्म किए थे। इन्हीं 9 जिलों में भी लाइब्रेरियन भर्ती के पद दर्शाए गए हैं। इन जिलों में कुल 68 पद है। इन पदों को लेकर बेरोजगार युवाओं के बीच असमंजस की स्थिति बन गई है। खत्म किए जिलों में भर्ती कैसे होगी। उधर, जिले खत्म होने के बावजूद शिक्षा विभाग ने अभी तक चयन बोर्ड को पदों का संशोधित वर्गीकरण नहीं भेजा है। इस भर्ती के लिए आवेदन की प्रक्रिया बुधवार से प्रारंभ हुई है। आवेदन की अंतिम तिथि 3 अप्रैल है। शुक्रवार तक इस भर्ती के लिए 48,650 अभ्यर्थी आवेदन कर चुके थे।

चयन बोर्ड ने 11 दिसंबर को 548 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया था। तब यह जिले अस्तित्व में थे। इस कारण इन जिलों में भी पद दिए गए थे। इसके बाद 28 दिसंबर को सरकार ने 9 जिले गंगापुर सिटी, दूदू, जयपुर ग्रामीण, केकड़ी, जोधपुर ग्रामीण, नीमकाथाना, शाहपुरा, अनूपगढ़ और सांचौर को खत्म कर दिया था। भर्ती के कुल 548 पदों में से इन खत्म किए जिलों में 68 पद थे। नोटिफिकेशन में आवेदन की प्रक्रिया 5 मार्च से 3 अप्रैल तक घोषित थी। इस कारण शिक्षा विभाग के पास पर्याप्त मौका था कि वह चयन बोर्ड को संशोधित वर्गीकरण भेज सकता था, लेकिन विभाग के अधिकारियों ने इस तरफ ध्यान ही नहीं दिया। अब बेरोजगार युवाओं के बीच असमंजस की स्थिति बन गई है कि खत्म किए जिलों में भर्ती कैसे होगी। चयनित अभ्यर्थियों से जब जिलों का विकल्प भराया जाएगा तब परेशानी हो सकती है। ऐसे में विभाग को संशोधित जिलावार वर्गीकरण जारी करने की जरूरत है।

विभाग के अधिकारी बरतते हैं लापरवाही

राजस्थान बेरोजगार यूनियन के अध्यक्ष हनुमान किसान और संयोजक रवींद्र चौधरी का कहना है कि शिक्षा विभाग के अधिकारी इस मामले पर लापरवाही बरत रहे हैं। भर्ती के नोटिफिकेशन के तीन महीने बाद आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ हुई है। इसके बावजूद उन्होंने ध्यान नहीं दिया। सरकार ने जब जिले खत्म ही कर दिए तो उन जिलों में पद नहीं हो सकते। विभाग को तुरंत इस पर ध्यान देना चाहिए, ताकि बेरोजगार युवाओं को किसी तरह की कोई परेशानी ना हो।

राजस्थान के गृह राज्यमंत्री का एसआई दामाद घूस लेकर भागा

सीबीआई ने भरतपुर-डीग में भी दबिश दी, मिनिस्टर बेढ़म बोले- हां, केस दर्ज हुआ है

राजस्थान की राजनीति

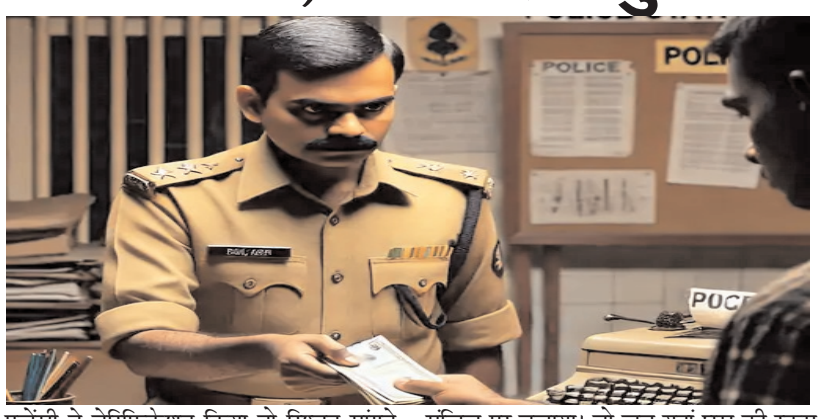

जयपुर। राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म का दामाद अनिल खटाना घूस की रकम लेकर भाग गया। सीबीआई उसे 2 महीने से ढूंढ रही है। अनिल खटाना दिल्ली पुलिस में सब इंस्पेक्टर है और लाहौरी गेट थाने में तैनात था। सीबीआई ने 29 जनवरी को उसे रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ने के लिए जाल बिछाया, लेकिन ऐन मौके पर भनक लगने से ट्रैप फेल हो गया। आरोपी सब इंस्पेक्टर को पकड़ने के लिए सीबीआई ने दो दिन भरतपुर और डीग में भी दबिश दी थी।

सबसे पहले 3 पॉइंट में समझिए- क्या है पूरा मामला

1. आरोपी इंस्पेक्टर ने 2 लाख मांगे- शिकायत के अनुसार अभय सिंह नामक व्यक्ति ने वीजा से जुड़े काम के लिए अनीस को 29,700 रुपए ट्रांसफर किए। बेटे की शादी की वजह से अनीस समय पर काम नहीं कर पाया। मामला अनिल खटाना तक पहुंचा तो उन्होंने अभय के पैसे लौटाने को कहा और जेल जाने से बचने के लिए 2 लाख रुपए की घूस मांगी।

2. गिरफ्तार करने का नाटक किया- 25 जनवरी को अनिल खटाना और एक सिपाही एफआईआर दर्ज हुए बिना ही अनीस को पकड़ कर फतेहपुरी पुलिस चौकी ले गए। बेटे ऊजेर अहमद को भी वहां बुला लिया। बेटे के सामने ही अनीस की तलाशी लेकर नीचे बिठा दिया। गिरफ्तार करने का नाटक भी किया। रिश्वत की रकम का इंतजाम करने के लिए दो दिन की मोहलत देने के भी 25 हजार रुपए वसूल लिए।

3. अनीस ने सीबीआई में की शिकायत- अनीस के पर्स में रखे 15 हजार रुपए रख लिए और बेटे से 10 हजार और मंगवाए। अनीस ने 27 जनवरी को सीबीआई में शिकायत की। एजेंसी ने वेरिफिकेशन किया तो रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। 29 जनवरी को ट्रैप के दौरान खटाना ने लाहौरी गेट थाने में रिश्वत के 10 हजार रुपए ले लिए।

आखिर में 70 हजार में डील की

अनिल खटाना ने अनीस अहमद से शुरुआत में 2 लाख रुपए की घूस मांगी। आखिर में 70 हजार रुपए में डील हुई। खटाना ने वादा किया कि पूरी रकम मिलने के बाद केस बंद हो जाएगा। अनीस के बेटे ऊजेर ने लाहौरी गेट थाने की तीसरी मंजिल पर सीढ़ियों के पास 10 हजार रुपए दिए।

कुछ मिनट बाद ही सीबीआई की टीम के साथ 60 हजार लेकर लौटने से पहले ही खटाना दूसरी तरफ बनी सीढ़ियों से भाग गया।

पहली मंजिल पर बुलाया, तीसरी पर पैसे लिए

सीबीआई ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 एफआईआर दर्ज की है। अनिल खटाना ने सीबीआई के ट्रैप से बचने के लिए हर स्तर पर सर्तकता बरती। अनीस अहमद के बेटे ऊजेर को पहले लाहौरी गेट थाने की पहली मंजिल पर बुलाया। वो जब यहां घूस की रकम देने लगा तो मना कर दिया और तीसरी मंजिल पर ले गया। यहां 10 हजार रुपए लिए। सीबीआई ने 28 जनवरी को जब रिश्वत मांगने का वेरिफिकेशन किया तब भी खटाना ने ऐसा ही किया था।

सीबीआई ने भरतपुर-डीग में दो दिन दबिश दी

सीबीआई अनिल खटाना को पकड़ने के लिए राजस्थान में भी दबिश दे चुकी है। एजेंसी ने 16 व 18 मार्च को भरतपुर व डीग में संभावित ठिकानों पर छापेमारी की, लेकिन खाली हाथ लौटना पड़ा। दरअसल, सीबीआई को दो सप्ताह पहले खटाना के भरतपुर के बयाना में छिपे होने का इनपुट मिला था।

टीम दबिश देने पहुंची उससे पहले ही वहां से निकल गया। एक दिन बाद डीग जिले में लोकेशन मिली। यहां संदिग्ध ठिकाने पर छापा मारा तो कुछ घंटे पहले ही निकलने की सूचना मिली। सीबीआई से जुड़े सूत्रों के अनुसार खटाना अभी भी राजस्थान में ही कहीं छिपा है, लेकिन शातिर तरीके से बार-बार अपनी लोकेशन बदल रहा है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में राजस्थान अग्रणी बने– राज्यपाल

राज्यपाल बागडे ने 'हेल्थकेयर पायनियर्स ऑफ राजस्थान' कॉफी बुक का लोकार्पण किया

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में ÷हेल्थकेयर पायनियर्स ऑफ राजस्थान÷ कॉफी बुक का लोकार्पण किया।

बागडे ने इस अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से महती कार्य करने वालों का अभिनंदन किया और कहा कि चिकित्सक पीड़ित मानवता की सेवा के लिए सेवा भाव रखते हुए कार्य करें। उन्होंने राज्य को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में अग्रणी बनाने का भी आह्वान किया।

उन्होंने चिकित्सकों द्वारा मरीज के साथ अच्छा व्यवहार करने और वैश्विक चुनौतियों के आलोक में चिकित्सा सेवाओं का प्रभावी विस्तार किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले चिकित्सकों को सम्मानित भी किया।

राष्ट्रीय पिछडा आयोग के सदस्य ने राजकीय छात्रावासों का किया निरीक्षण

राजस्थान की राजनीति

जयपूर। राष्ट्रीय पिछडा आयोग के सदस्य श्री भुवन भूषण कमल ने शुक्रवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित राजकीय छात्रावासों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

राष्ट्रीय पिछडा आयोग के सदस्य ने अलवर में राजकीय देवनारायण महाविद्यालय स्तरीय कन्या छात्रावास एवं राजकीय अम्बेडकर छात्रावास अलवर तृतीय का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान छात्रावास परिसर में साफ-सफाई सहित विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही अन्य सुविधाओं का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

इस दौरान उपखण्ड अधिकारी अलवर श्री यशार्थ शेखर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक लक्ष्मण सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

वन मंत्री ने थानागाजी में सुनी आमजन की परिवेदनाएं संबंधित अधिकारियों को परिवेदनाओं के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

राजस्थान की राजनीति

जयपूर। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने शुक्रवार को थानागाजी में आमजन की परिवेदनाओं को सुना।

इस दौरान व्यापार संघ, थानागाजी ने वन मंत्री से धार्मिक एवं व्यापार व्यवसाय के दृष्टिगत एलीवेटेड रोड को थैंक्यू बोर्ड से सरिस्का वाया भर्तृहरि होते हुए बनाए जाने की परिवेदना प्रस्तुत की। इस पर मंत्री शर्मा ने व्यापारियों को विश्वास दिलाया कि उनकी मांग पर सकारात्मक तरीके से विचार करते हुए समुचित निर्णय लिया जाएगा। इस दौरान आमजन के द्वारा विद्युत, पेयजल, सडक आदि आधारभूत आवश्यकताओं से संबंधित परिवेदनाएं प्रस्तुत की गई, जिस पर मंत्री शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को दूरभाष से समस्याओं के अविलम्ब समाधान करने के निर्देश दिये।

Tni आवाज़

उत्तरप्रदेश की राजनीति

E-mail: tniawaz.news@gmail.com
www.hpnews.in/www.tniwaaz.in

आपकी आवाज के साथ....

www.uttarpradeshkirajneeti.com

जयपुर, शनिवार 29 मार्च, 2025

हिन्दुस्तान पत्रिका
HINDUSTAN KI AWAZ

आगरा, फ़िरोज़ाबाद, मैनपुरी, मथुरा,अलीगढ़, एटा, हाथरस, कासगंज,बदायूं, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर,औरैया, इटावा, फ़र्रूख़ाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर से प्रसारित

पथराव में चार दर्जन से अधिक नामजद, अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा

तीन पुलिस कर्मी हुए थे घायल

उत्तरप्रदेश की राजनीति

कोसीकलां। गुरूवार की देर रात पुलिस के साथ हुई मारपीट एवं पथराव के मामले में थाना पुलिस ने 2 दर्जन से अधिक नामजद एवं करीब दो दर्जन से अधिक अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। उल्लेखनीय हो कि गत देर रात्रि थाना पुलिस निकासा क्षेत्र निवासी एक आरोपी को पकडने गयी थी। इसी दौरान आरोपी पक्ष के लोगों ने एक राय होकर पुलिस पर हमला कर दिया और गाली गलौज करते हुए लाठी, डंडो से मारपीट करते हुए जवदस्त पथराव किया। नामजदों ने पुलिस की गाडी भी तोड डाली, जिस कारण क्षेत्र में अफरा तफरी मच गयी। घटना में अंकित कुमार, निखिलेश कुमार, अभिषेक सिवाच तीन पुलिस कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें अन्य पुलिस कर्मियों ने उपचार के लिए स्थानीय नर्सिंग हॉम में भर्ती कराया गया। उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार की तहरीर पर थाना पुलिस ने आबिद, इमरान, आस मोहम्मद, असलम, रहीश, राशिद, ताहिर, आसिफ, बब्लू, आसिफ, शकील, युसुफ, अकील, मुल्ला जी, आस मोहम्मद, इरशाद, कामिल, जुबैर, इकराम, सहित दो दर्जन से अधिक अन्य अज्ञातों के खिलाफ एक राय होकर पुलिस पर हमला कर सरकारी कार्य में वाधा डालने एवं गाली गलौज कर लाठी डंडो से मारपीट कर पथराव करने, जिसमें तीन पुलिस कर्मी घायल होने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है।

पहले भी हो चुकी हैं कई घटनाऐं

निकासा क्षेत्र में पुलिस के साथ मारपीट का यह कोई पहला मामला नहीं है पूर्व में भी अलग-अलग घटनाओं में कई चौकी इचार्ज के साथ निकासा क्षेत्र में मारपीट की घटनाएं हो चुकी है एक चौकी इंचार्ज ने तो भाग कर घंटाघर स्थित पुलिस चौकी में पहुंच कर जान बचाई थी साल में एक दो घटनाएं नक्शा क्षेत्र में पुलिस के साथ बदतमीजी एवं मारपीट की होती रहती है पत्थर बाजी यहां का प्रमुख ट्रेंड है।

अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा

कोसीकलां। नदगांव रोड पर वाहन के इंतजार में खडे दो युवकों में अज्ञात कार चालक ने टक्कर मार दी थी। जिसमें दोनो के गंभीर चोटें आयी थी। दोनो का उपचार स्थानीय हास्पीटल में चल रहा है। घायलों के पिता देवीसिंह ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ थाना कोसीकलां में नंबर के आधार पर मुकदमा दर्ज कराया है। गत 23 मार्च को छाजू का धोक नंदगाव निवासी धर्मसिंह, भीमसिंह पुत्रगण देवीसिंह वसस्टैण्ड पर वाहन का इंतजार कर रहे थे, इसी दौरान अज्ञात कार चालक ने कार को तेजी व लापरवाही से चलाते हुए उनमें टक्कर मार दी। जिसमें दोनो घायल हो गए।

जीजा की नाबालिग बहन को बहला, फुसला कर ले गया साला

आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

उत्तरप्रदेश की राजनीति

केसीकलां। नगर के छोर पर वसी एक कालोनी निवासी एक युवक का साला उसकी नाबालिग बहन को बहला फुसला कर भगा ले गया। युवक की मां ने उसकी पुत्री को भगा ले जाने की तहरीर देते हुए थाना कोसीकलां में नामजद मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस पडताल कर रही है। जनकारी के अनुसार नगर की कालोनी निवासी एक परिवार के एक युवक की शादी कालोनी की ही एक युवती से हुई थी। चर्चा है कि मामला कालोनी का ही था, इसलिए पत्नी का भाई उसके यहां आता जाता रहता था। इसी दौरान गत 22 मार्च को अचानक युवक की बहन घर से गायब हो गई। परिजनों ने उसकी काफी तलाष की लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। जब युवक के साले का उसके यहां आना जाना भी बंद हो गया तो परिजनों को उस पर षक हुआ और उनके षक की सुंई विष्वास में बदल गयी। गत दिवस पता चला कि युवक का साला ही उसकी नाबालिग बहन को बहला फुसला कर ले गया है। नाबालिग की मां ने अपने पुत्र के साले के खिलाफ थाना कोसीकलां में नामजद मुकदमा दर्ज कराया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से वाइक सवार की मौत

उत्तरप्रदेश की राजनीति

कोसीकलां। वाइक के अपने गांव मैनपुरी लौट रहे एक वाइक सवार में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वाइक सवार सडक पर जा गिरा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर ऐबूलेंस लेकर पहुंची पुलिस ने उसे स्थानीय हास्पीटल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मैनपुरी निवासी गौरव पुत्र मुकेष अपनी वाइक से अपने गांव मैनपुरी लौट रहा था। इसी दौरान कोसी हाइपे नंदगांव पुल के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसमें टक्कर मार दी, जिस कारण वह उछलकर हाइवे पर जा गिरा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस दौरान हाइवे पर जाम लग गया। सूचना पर एम्बूलेंस लेकर पहुंची बठैनगेट चौकी पुलिस ने जाम को खुलवा वाइक सवार को हास्पीटल मे भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गयी है।

शहर को संवारने के लिए करीब 41 करोड खर्च करेगी पालिका

बैठक में सभासदों ने लगाई सर्वसम्मति से बजट पर मुहर

उत्तरप्रदेश की राजनीति

कोसीकलां। नगर पालिका परिषद ने नगर के विकास को गति देने के लिए शुक्रवार को 45 करोड़ 28 लाख 11 हजार 134 रुपये का बजट सर्वसम्मति से पारित किया।

बोर्ड बैठक में पालिकाध्यक्ष धर्मवीर अग्रवाल ने विशेष प्रस्ताव में बजट के साथ ही नगर के विकास के लिए कई प्रस्तावों को करीब डेढ़ घटें से अधिक चली कार्रवाई में सहमति से पारित कराया। नगर पालिका कार्यालय में पालिकाध्यक्ष कक्ष में शाम को 4 बजे पालिकाध्यक्ष धर्मवीर अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पालिका प्रशासन ने बताया कि इस वित्तीय वर्ष की समाप्ति मार्च 2025 तक पालिका के खजाने में 12 करोड़ 22 लाख 96 हजार 134 रुपये की धनराशि शेष रहेगी। वित्तीय वर्ष 2025-26 में पालिका ने 33 करोड़ 5 लाख 15 हजार की अनुमानित आय का अनुमान है। इसमें 41 करोड़ 81 लाख 95 हजार रुपये विकास कामों में खर्च करने का प्रावधान रखा गया है। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में 50 से अधिक सड़क व नाला निर्माण के कार्यो को स्वीकृति दी गई। घंटाघर की इमारत का गिराने, स्वामी विवेकानंद चौराहे का सुंदीकरण, बस स्टैंड पर सैल्फी पांइट बनाने का निर्णय लिया। सभासद टिकुंर अग्रवाल ने देहली गेट पर खुले में बिक रहे मीट की दुकानों को मुख्य मार्ग से हटाएं जाने की मांग की। सभासद विक्रम सिंह, पूजा, विष्णु सैनी, ममता चंदेल, अनिल भातू, योगेश अग्रवाल, रश्मि गोयल, मनीष जैन, लोकेश सिरथरिया, पिंटू नेता, मनीष चंदोरिया, टिंकुर अग्रवाल, बुशरा बेगम, ईओ निहाल सिंह, लेखाकार योगेंद्र शर्मा, जेई विकास चौहान, आरआई अनिरुद्ध भारती, खाद्य, स्वास्थ्य निरीक्षक राजीव यादव आदि थे।

कारागार में महिला बंदी बैरक में जाकर व्यवस्थाओं लिया जायजा

उत्तरप्रदेश की राजनीति

मथुरा। जिला जज आशीष गर्ग, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह तथा पुलिस उपमहानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडेय ने जिला कारागार का निरीक्षण किया। कारागार में महिला बंदी बैरक में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और महिला बंदियों से बीमारी, शिक्षा, बच्चों संबंधी जानकारी ली। संयुक्त रूप से उच्च अधिकारियों ने बंदी महिलाओं के बच्चों को चॉकलेट, कुरकुरे, चिप्स, फल आदि का वितरण किया। उन्होंने जेल की अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जेल में साफ सफाई की सराहना की। उन्होंने जेल की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिला कारागार के निरीक्षण के पश्चात् माननीय जिला जज आशीष गर्ग एवं जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बंदी युवाओं को संगीत की क्लास दी जा रही थी, जिसमें माननीय जिला जज एवा जिलाधिकारी ने भी संगीत सुना और संगीत मास्टर से जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को अपने आप में सुधार करने के लिए आग्रह किया और उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए बच्चों से वार्ता की। जिलाधिकारी ने जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चंद्र से बाहरी परिसर की जानकारी ली और दीवार ऊंची कराने के संबंध में निर्देश दिए, जिस पर जिलाधिकारी महोदय को अवगत कराया कि टेंडर हो गया है तथा दिनांक 6 अप्रैल को टेंडर खुल जाएगा, उसके बाद कार्य प्रारंभ करवा दिया जाए और बाहरी परिसर में खाली पड़ी जमीन पर बच्चों को खेलने हेतु पार्क एवं खेल कूद के उपकरण स्थापित किए जाएंगे।

मां को गोली मारने वाले को मिट्टी में मिलाए सरकार

बेटी बोलीं- वे स्टूडेंट नहीं, गुंडे हैं, बेटा बोला- यहां के अवैध हॉस्टल नशेबाजी के अड्डे

उत्तरप्रदेश की राजनीति

लखनऊ। मेरी मां को गोली मारने वाले को मिट्टी में मिला दो। गोली का बदला गोली होनी चाहिए। जिस तरह मेरी मां ने तड़प-तड़पकर... दम तोड़ दिया, किसी दूसरे के साथ वैसा न हो। मां हमेशा अच्छा-बुरा समझाती थीं। उन्हें क्या पता था उन गुंडों को समझाने के बदले जान चली जाएगी। हॉस्टल में स्टूडेंट नहीं गुंडे रहते हैं। सरकार को इन जैसे लड़कों और हॉस्टल बनाकर खुला छोड़ देने वालों पर कार्रवाई करनी चाहिए।

ये गम और गुस्से में सने शब्द हैं उन बच्चों के, जिनकी मां को लखनऊ में हॉस्टलर स्टूडेंट ने गोली मार दी। बच्चों ने रोते हुए बताया मां की गलती सिर्फ इतनी थी कि हॉस्टल में उपद्रव कर रहे छात्रों को शोरगुल करने से मना किया। इस पर आवारा युवकों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। वह बचने के लिए भागीं, लेकिन तब तक एक गोली उनके सीने में धंस चुकी थी।

बच्चों को गोली न लग जाए, इसलिए नीचे भागीं

सैरपुर की बृजधाम कॉलोनी में रहने वाले फार्मा कंपनी में एरिया मैनेजर श्यामजी 22 मार्च को रात खाना खाने के बाद करीब 11 बजे पत्नी सारिका के साथ टहल रहे थे। उन्होंने बताया कि रात 9 बजे से ही घर के सामने बने हॉस्टल में तेज संगीत बज रहा था। जब रात को छत पर टहल रहे थे तो कुछ लोगों के चीखने और चिल्लाने की आवाज आने लगी। हॉस्टल के बाहर लोग मारपीट कर रहे थे।

इस पर पत्नी ने उन लोगों को टोका। इसके बावजूद नहीं मान रहे थे तो कहा कि पुलिस को बता देंगी। इतनी देर में कुछ युवक घर के पास भागते हुए आए। हम कुछ समझ पाते कि छत की तरफ निशाना साधते हुए फायरिंग शुरू दी। हम लोग झुककर बचने की कोशिश करने लगे। इतने में बच्चे चीख-पुकार सुनकर जीने से ऊपर की तरफ भागे। बच्चों को गोली न लग जाए इसलिए वह (पत्नी) जीने की तरफ भागीं। तभी उनकी एक चीख सुनाई दी और उन्हें गोली लग चुकी थी।

हर तरफ मां का चेहरा नजर आ रहा है...

सारिका की मौत का सदमा पूरे परिवार को पहुंचा है, लेकिन बेटी ऐश्वर्या बेसुध-सी है। वह बीकाम सेकंड ईयर में है। ऐश्वर्या से मां के विषय में पूछते ही उसका गला भर आया और आंखें डबडबा गईं। उसके बाद उसका गुस्सा फूट आया। ऐश्वर्या ने कहा- मां को मारने वाले को गोली मार देनी चाहिए। वह बच्चे नहीं गुंडे हैं। उन्होंने मेरी मां नहीं, परिवार की डोर बांधकर चलने वाली एक मुखिया को छीन लिया।

शराब की बोतलों के साथ लड़की भी पकड़ी

मृतका के देवर रामजी ने कहा- भाभी को गोली मारे जाने की सूचना मिलते ही पहले ट्रॉमा सेंटर गया। वहां से भागकर घर लौटा। यहां देखा हॉस्टल में पुलिस जांच-पड़ताल कर रही थी। पुलिस ने कई पन्नी शराब की बोतल, हथियार आदि बरामद किए। पुलिस हॉस्टल से एक लड़की को भी ले गई जो यहां नहीं रहती थी। इसकी शिकायत मकान मालिक से लेकर पुलिस तक को की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

आसपास दर्जन भर से ज्यादा अवैध हॉस्टल

सारिका के बेटे आदित्य ने कहा- घर के सामने से लेकर पीछे तक दर्जन भर से ज्यादा अवैध हॉस्टल हैं। यहां छात्रों के बीच अपराधी भी रहते हैं। पार्टी के नाम पर अय्याशी होती है। नशे का सौदा होता है। यहीं लेनदेन के विवाद भी सुलझाए जाते हैं। इसी का नतीजा था कि एक युवक से विवाद के बाद मेरी मां की जान चली गई। पड़ोसी रजिया सुल्तान ने कहा- हॉस्टल बनने के बाद से ही युवकों की हरकतों के चलते विवाद शुरू हो गया। सबने टोका, लेकिन मकान मालिक से लेकर पुलिस तक ने कार्रवाई नहीं। यदि की होती तो यह देखने को नहीं मिलता। आवारा युवकों ने मेरी बहू को छीन लिया।

हॉस्टल में रोज हंगामा होता था...

प्राइवेट टीचर रुचि के मुताबिक, हॉस्टल में आए दिन हंगामा होता है। बाहरी लड़कों का आना-जाना लगा रहता है। अंदर क्या चल रहा है बाहर से किसी को पता नहीं चलता। कई बार घंटों पानी बहने को लेकर टोका गया, लेकिन ये लोग बाज नहीं आते। इसको लेकर अगर समय से कार्रवाई होती तो यह घटना नहीं होती।

योगी ने पूछा-आश्रय केंद्र में खाना मिलता था या नहीं?

लोकबंधु में भर्ती बच्चों को पुचकारा, सिर पर रखा हाथ; 5 बच्चों की हुई है मौत

उत्तरप्रदेश की राजनीति

लखनऊ। लखनऊ में निर्वाण आश्रय केंद्र के बच्चों को देखने सीएम योगी शुक्रवार को लोकबंधु अस्पताल पहुंचे। वार्ड में भर्ती 16 बच्चों से एक-एक के बेड पर जाकर सीएम मिले। राजू नाम के एक बच्चे को दुलारते हुए पूछा कैसे हो? हाथ हिलाकर राजू ने जवाब दिया। वहीं, बच्चे सब्बन से सीएम ने पूछा खाना खाया या नहीं? सुबह क्या मिला? योगी ने यह भी पूछा कि केंद्र पर खाना मिलता था या नहीं? बच्चे इशारों में जवाब देने की कोशिश करते नजर आए। योगी ने डॉक्टरों से कहा- बच्चों के इलाज में किसी भी तरह की कोई कमी नहीं होनी चाहिए। जब बच्चे पूरी तरह ठीक हो जाएं, तभी उनको डिस्चार्ज किया जाए। उन्होंने यह भी पूछा कि बच्चों की हालत इतनी गंभीर क्यों हुई? योगी 17 मिनट लोकबंधु अस्पताल में रुके। उनके साथ प्रमुख सचिव संजय प्रसाद और विभाग की प्रमुख सचिव लीना जौहरी भी रहीं। अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.राजीव दीक्षित ने बताया- सीएम अस्पताल की व्यवस्था से संतुष्ट थे। उन्होंने कहा- बच्चों के खानपान और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए। लखनऊ में निर्वाण आश्रय केंद्र में 21 मार्च से 25 मार्च के बीच 5 बच्चों की मौत हुई। इनमें 3 बच्चियां थीं। आश्रय केंद्र के 35 बच्चों को उल्टी-दस्त होने पर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। अभी 16 बच्चे लोकबंधु अस्पताल में भर्ती हैं। निर्वाण आश्रय केंद्र पारा इलाके के बुद्धेश्वर में बना है। यह सरकार की मदद से पीपीपी मॉडल पर संचालित होता है। मानसिक कमजोर, अनाथ और लावारिस बच्चों को यहां रखा जाता है।

सीएम ने पूछा- स्कूल जाते हो या नहीं? जवाब में बच्चे मुस्कुराए

बच्चों से सीएम ने पूछा- स्कूल जाते हो? तो जवाब में बच्चे ने हंसकर रिस्पांस दिया। डॉली के पास जब सीएम पहुंचे तो वह मुस्कुराने लगी। सीएम ने पूछा- खाना खाया है? फिर मधु के पास गए। पूछा- केंद्र में खाना मिलता है या नहीं? बाद में सीएम ने चिकित्सा अधीक्षक डॉ.अजय शंकर त्रिपाठी से कहा- जब तक जांच पूरी न हो जाए तब तक किसी को डिस्चार्ज न करें।

अगर रेगुलर जांच होती है तो बीमारी कैसे बढ़ी?

सीएम ने डीएम विशाख जी से पूछा- क्या सेंटर पर नियमित जांच होती हैं? जवाब में डीएम और कमिश्नर ने कहा- जांच तो होती है...तब सीएम ने कहा- फिर इतने बच्चे कैसे बीमार हुए?

21 मार्च को हुई पहली मौत, फिर लगातार बिगड़ती गई तबीयत

निर्वाण आश्रय में 21 मार्च को सबसे पहले सरोजनी (16) की तबीयत खराब हुई। उसकी मौत भी हो गई, लेकिन इस बात को लगातार आलाधिकारी छिपाए रहे। इसके बाद 23 मार्च की रात खाना खाने के बाद फिर बच्चों की तबीयत बिगड़ी। 23 मार्च से 26 मार्च के बीच 35 बच्चों को अलग-अलग अस्पताल ले जाया गया। अगले दिन यानी 24 मार्च को लोकबंधु अस्पताल में रेनू (13) और दीपा (15) की मौत हो गई, जबकि बलरामपुर अस्पताल में सूरज (12) और ठाकुरगंज अस्पताल में शिवांक (15) की मौत हुई। हैरानी की बात यह है कि 24 मार्च को 4 बच्चों की मौत के बाद भी आश्रय स्थल का प्रशासन पूरी घटना को दबाए रहा। बाद में गोपाल और लकी नाम के दो बच्चों को गंभीर हालत में चन्नरू रेफर किया गया। इसके बाद मामला सुर्खियों में आया।

5 बच्चों की मौत के बाद जागा प्रशासन, कई जांच के आदेश

जब मामला सुर्खियों में आया तो बुधवार रात डीएम लोकबंधु अस्पताल पहुंचे। इसके बाद सुबह 9 बजे कमिश्नर रोशन जैकब, प्रमुख सचिव लीना जौहरी और एक बार फिर डीएम लोकबंधु हॉस्पिटल पहुंचे। बच्चों से बातचीत की। कहा- आश्रय केंद्र के पानी की जांच कराई जाएगी।

कमिश्नर ने बच्चों से बातचीत की। कहा था- आश्रय केंद्र के पानी की जांच कराई जाएगी। आश्रय केंद्र यानी रिहैबिलिटेशन सेंटर का कुछ महीने पहले दौरा किया था। तब सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त पाई गई थीं। कुछ कमियां थीं, उनको भी ठीक करने के निर्देश दिए थे। जरूरी बजट भी दिया गया था।

कमिश्नर ने कहा- नगर निगम, स्वस्थ समेत कई विभागों की टीम को आश्रय सेंटर भेजा गया है। टीमें वहां सभी इंतजाम की जांच करेंगी। घटना को छिपाने से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा- सेंटर ने घटना की जानकारी सही समय पर दी या नहीं, इसकी जांच कराई जा रही है।

इलाज का सारा खर्चा सरकार उठाएगी-डिप्टी सीएम

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी गुरुवार को लोकबंधु अस्पताल पहुंचे। यहां भर्ती बच्चों की तबीयत का हाल जाना। कहा- इलाज का सारा खर्चा सरकार उठाएगी। हमारी पहली प्राथमिकता बच्चों का बेहतर इलाज है। इस मामले की जांच कराई जाएगी। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

आश्रय स्थल ने कहा- बच्चों को खिचड़ी और दही दिया था

निर्वाण आश्रय केंद्र में विमंदित बच्चों की देखभाल केयर टेकर करते हैं। सूत्रों ने बताया कि बच्चों को सही समय पर खाना और पानी तक नहीं दिया जाता। सुबह का बचा हुआ भोजन रात में और रात का बचा खाना सुबह दिया जाता है। रविवार यानी 23 मार्च को भी दिन की बची हुई खिचड़ी रात में बच्चों को दही के साथ खाने के लिए दी गई थी। इसके कुछ देर बाद बच्चों को उल्टी-दस्त की शिकायत शुरू हो गई। जिन बच्चों की हालत ज्यादा खराब हुई, उनको हॉस्पिटल ले जाया गया। ज्यादा तबीयत बिगड़ने के बाद बाकी बच्चों को अस्पताल ले जाया गया।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में फैसले

देश को आत्मनिर्भर बनाने इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग योजना लागू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की पैठक हुई। इसमें कई अहम फैसले लिए गए। केंद्र ने शुक्रवार को भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स आपूर्ति श्रृंखला को आत्मनिर्भर बनाने 22,919 करोड़ रकी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग योजना को मंजूरी दे दी। इस योजना का उद्देश्य देश में एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना है, जिससे घरेलू और वैश्विक स्तर पर बड़े निवेश आकर्षित किए जा सकें। योजना के तहत 59,350 करोड़ का निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है, जिससे 4,56,500 करोड़ र मूल्य के उत्पादों का उत्पादन होगा। इस योजना से 91,600 लोगों को सीधे रोजगार मिलेगा, जबकि अप्रत्यक्ष रूप से भी बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

6 साल होगी योजना की अवधि

इस योजना की अवधि 6 साल की होगी, जिसमें एक साल का गेस्टेशन पीरियड शामिल है। प्रोत्साहन का एक हिस्सा रोजगार सृजन लक्ष्यों को पूरा करने से भी जोड़ा जाएगा, जिससे अधिक लोगों को रोजगार के अवसर मिल सकें।

कैबिनेट ने 22,919 करोड़ रुपए की योजना को दी मंजूरी

भारतीय निर्माताओं को मिलेगी तकनीकी मदद

इस योजना में विभिन्न कंपोनेंट्स और सब-असेंबली के लिए अलग-अलग प्रोत्साहन दिए जाएंगे, ताकि भारतीय निर्माताओं को तकनीकी चुनौतियों से निपटने और बड़े पैमाने पर उत्पादन करने में मदद मिल सके। इस योजना के तहत डिस्प्ले और कैमरा मॉड्यूल जैसे सब-असेंबली, नॉन-एसएमडी पैसिव कंपोनेंट, इलेक्ट्रो-मैकेनिकल्स, मल्टी-लेयर प्रिंटेड सर्किट बोर्ड और ली-आयन सेल जैसे कंपोनेंट शामिल किए गए हैं। इसके अलावा, हाई-डेंसिटी इंटरकनेक्ट और एसएमडी पैसिव कंपोनेंट जैसे बड़े कंपोनेंट्स पर भी फोकस किया जाएगा।

किसानों को दी खुशखबर

केंद्र सरकार ने पीएंडके उर्वरकों पर दी 37,216 करोड़ की सब्सिडी की मंजूरी

कैबिनेट ने खरीफ फसलों 2025 के लिए फॉस्फेटिक और पोटैशिक उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी दरों को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के तहत सरकार किसानों को उचित दरों पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए खरीफ 2025 (1 अप्रैल 2025 से 30 सितंबर 2025) के लिए 37,216.15 करोड़ रुपये की सब्सिडी प्रदान करेगी। गौरतलब है कि यह राशि रबी 2024-25 के लिए तय बजट से लगभग 13,000 करोड़ रुपए अधिक है।

कृषकों को मिलेंगे सस्ते उर्वरक

पोषक तत्व आधारित सब्सिडी योजना के तहत केंद्र सरकार 28 ग्रेड के फॉस्फेटिक और पोटैशिक उर्वरकों जैसे डाई-अमोनियम फॉस्फेट , म्यूरिएट ऑफ पोटाश और नाइट्रोजन-फॉस्फोरस-पोटाश-सल्फर आदि पर सब्सिडी देती है।

सिंगल सुपर फॉस्फेट की सब्सिडी को आगे बढ़ाया

कैबिनेट ने सिंगल सुपर फॉस्फेट पर फ्रेट सब्सिडी को भी खरीफ 2025 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। इससे एसएसपी की ढुलाई लागत में कमी आएगी, जिससे किसानों को यह खाद सस्ती दर पर उपलब्ध होगी। सरकार का यह फैसला किसानों के लिए फायदेमंद साबित होगा। इससे उन्हें सब्सिडी वाले रेट पर उर्वरक मिलेंगे, जिससे खेती की लागत घटेगी और उत्पादकता बढ़ेगी। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय बाजार में उर्वरकों और कच्चे माल (यूरिया, डीएपी, एमओपी और सल्फर) की कीमतों में उतार-चढ़ाव का बोझ किसानों पर नहीं पड़ेगा।

खबर संक्षेप

रेप केस में बजिंदर दोषी 1 को सजा का ऐलान

नई दिल्ली। 2018 रेप मामले में स्वयंभू ईसाई धर्म प्रचारक बजिंदर सिंह को दोषी करार दिया गया है।

इस मामले में कोर्ट एक अप्रैल को सजा सुनाएगा। सिंह पर कई गंभीर आरोप लग चुके हैं। उन पर जीरकपुर की महिला ने यौन उत्पीड़न का केस दर्ज कराया था। महिला ने आरोप लगाया था कि उसने यौन उत्पीड़न का वीडियो बनाया और धमकी दी थी।

शर्मा को फिर मिली जान से मारने की धमकी

जयपुर। राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा को फिर से जान से मारने की धमकी दी गई। यह

धमकी बीकानेर सेंट्रल जेल में बंद आदिल नाम के एक कैदी ने दी है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। सीएम को चौथी बार जान से मारने की धमकी दी गई है। एसपी कविंद्र सिंह सागर ने बताया कि आरोपी ने बीकानेर सेंट्रल जेल से फोन किया।

हरियाणा को मिला अपना राज्य गीत

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के आखिरी दिन हरियाणा को अपना राज्य गीत मिल

गया। सदन में राज्य गीत के चयन पर गठित समिति द्वारा राज्य गीत पर रखा गया प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ। सीएम नायब सिंह सैनी ने गीत को मूर्तरूप देने वाले सभी गणमान्यों का आभार व्यक्त किया और लोगों की भावनाओं में जोश भरने वाला गीत बताया।

दिल्ली के मुस्तफाबाद का बदलेगा नाम, प्रस्ताव पेश

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में भाजपा विधायक मोहन सिंह बिष्ट मुस्तफाबाद का नाम बदलने का

प्रस्ताव ला रहे। दिल्ली में नाम बदलने को लेकर सियासत शुरू हो गई है। इस पर आप के नेता बयान दे रहे हैं। बिष्ट ने कहा कि मुस्तफाबाद क्षेत्र का नाम बदलने मैंने प्रस्ताव दिया है। 1998 से 2008 के बीच जब मैं विधायक था, तब क्षेत्र का नाम करावल नगर था।

केंद्र ने दूसरे राष्ट्रीय जीन बैंक की स्थापना की

नई दिल्ली। केंद्र ने भविष्य की खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए 10 लाख फसल जीन बैंक के संरक्षण

के लिए दूसरे राष्ट्रीय जीन बैंक की स्थापना की घोषणा की है। यह घोषणा बजट के 'नवाचारों में निवेश' विषय के अंतर्गत की गई पहलों में से एक है। यह जानकारी केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

राज्यसभा में सांगा को लेकर सपा सांसद के बयान पर मचा बवाल

जब तक सुमन व खरगे माफी नहीं मांगते तब तक कोई समझौता नहीं किया जाएगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र के दौरान राज्यसभा में शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। भाजपा ने सपा सांसद रामजी लाल सुमन की राणा सांगा को लेकर की गई टिप्पणी पर विरोध किया। भाजपा सांसदों ने कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे पर भी निशाना साधा। भाजपा का आरोप है कि खरगे मामले को जाति से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा ने मांग की है,जब तक रामजी सुमन और विपक्ष के नेता खरगे मामले में माफी नहीं मांगते, तब तक कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इससे पहले सुमन ने 21 मार्च को राज्यसभा में राणा सांगा को गद्दार कह दिया था। इस पर शुरू हुआ बवाल अब भी थमता नहीं दिखाई दे रहा है। उनकी बाबर और राणा सांगा को लेकर कुछ ऐसा कह दिया था कि वे भाजपा के तमाम नेताओं के निशाने पर आ गए थे। भाजपा ने रामजी लाल सुमन से मांगी की मांग की है। सपा सांसद के इस बयान पर दिल्ली से उत्तर प्रदेश तक सियासी हलकों में हंगामा हो गया। भाजपा नेताओं ने आक्रोश व्यक्त करते हुए बयान की निंदा की।

बजट सत्र के दौरान राज्यसभा में हंगामा, दोनों पक्षों में तकरार

नेता प्रतिपक्ष ने जाति से जोड़ने की कोशिश की तो लगी 'आग'

सोच-समझकर दिया गया बयान

अग्रवाल बोले- स्पष्टीकरण तो देते

इसी बीच कुछ ऐसा हुआ कि राधा मोहन दास अग्रवाल को गुस्सा आ गया। भाजपा सांसद ने सांगा को लेकर कहा- 'उन्होंने कह दिया होता कि गलती से बोल दिया। स्पष्टीकरण दिया होता कि मैं ऐसा नहीं कहना चाहता था। अपनी बयान पर माफी मांग ली होती तो विवाद उसी समय खत्म हो गया होता। अग्रवाल ने कहा कि आश्चर्य की बात है कि सांसद (रामजी लाल) का बयान आया- मैं मरते मर जाऊंगा बात वापस नहीं लूंगा। ये बताता है कि जो इन्होंने कहा था वो सोच समझकर और नियोजित तरीके से कहा था।

धनखड़ बोले- बोलते वक्त सावधानी बरतनी चाहिए

सभापति जगदीप धनखड़ ने राजपूत राजा को राष्ट्रीय नायक बताया। उन्होंने उनकी बहादुरी का जिक्र किया और उनके खिलाफ टिप्पणी को अपमानजनक बताया। उन्होंने कहा कि सदस्यों को संवेदनशील मुद्दों पर बोलते समय सावधानी बरतनी चाहिए।

भाजपा बोली खरगे का मुद्दे को जाति से जोड़ना निंदनीय

अग्रवाल ने कहा कि सुमन ने दोहराया है कि वे अपने शब्दों को वापस नहीं लेंगे और जीवन भर उन पर कायम रहेंगे। यह अपमान है । किरेन रिजिजू ने भी मामले में बयान दिया। उन्होंने कहा कि सुमन का बयान अपमानजनक और अत्यधिक निंदनीय है। रिजिजू ने कहा कि वे खरगे की टिप्पणी की निंदा करते हैं कि सुमन के घर पर इसलिए हमला किया गया, क्योंकि वह दलित थे। उन्होंने कहा कि यह जाति या धार्मिक मुद्दा नहीं है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि खरगे मामले को जाति की ओर मोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

भाजपा सांसद डॉ. राधा मोहन ने उठाया मुद्दा

भाजपा सांसद डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने सुमन के राजपूत राजा राणा सांगा पर दिए गए बयान का मुद्दा उठाया। इससे बाद ही राज्यसभा में हंगामा शुरू हुआ। अग्रवाल ने कहा कि जब तक कांग्रेस और सुमन माफी नहीं मांग लेते, हम इस मुद्दे पर समझौता नहीं करेंगे।

खरगे के बयान पर भड़की भाजपा

इस बीच खरगे ने कहा कि वह और उनकी पार्टी उन सभी देशभक्तों का सम्मान करते हैं, जिन्होंने देश के लिए लड़ाई लड़ी और अपनी जान कुर्बान की, लेकिन किसी को भी कानून और व्यवस्था को अपने हाथ में लेने और एक सांसद के घर में घुसकर तोड़फोड़ करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने सुमन के घर और संपत्ति पर उनके विवादास्पद बयान के बाद हुए हमलों का जिक्र किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस तरह की दलित विरोधी कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। खरगे की टिप्पणी से सत्तारूढ़ पार्टी भड़क गई।

भाजपा सांसदों ने की नारेबाजी

खरगे ने कहा कि सांगा हो या महाराणा प्रताप सभी सम्मानीय थे। उन्होंने कहा कि उनकी आपत्ति हिंसा के इस्तेमाल पर है, क्योंकि संविधान इसकी अनुमति नहीं देता। इस पर सुमन बोलने के लिए उठे, लेकिन भाजपा सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी। धनखड़ ने कहा कि सुमन ने जो कहा है वही रिकॉर्ड में दर्ज होगा।

बंदरगाह विधेयक लोकसभा में पेश

एकीकृत विकास और व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

भारतीय बंदरगाह विधेयक 2025 लोकसभा में पेश कर दिया गया है। पोत परिवहन मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने इसे पेश किया। इसका उद्देश्य बंदरगाहों से संबंधित कानूनों को मजबूत और बंदरगाह विकास को बढ़ाना देना है।

ऑक्सफोर्ड में ममता के खिलाफ विरोध

भाषण के बीच लगे 'गो बैक' के नारे तो भड़की टीएमसी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी लंदन में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के केलॉग कॉलेज में 27 मार्च को पहुंची थी। छात्रों ने ममता के भाषण के बीच में गो बैक के नारे लगाए। बंगाली हिंदू समुदाय के सदस्यों सहित स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया इन यूके के छात्रों ने ममता बनर्जी को बंगाल से जुड़े कई मुद्दों पर घेरते हुए खुलेआम चुनौती दी। इस व्यवहार की टीएमसी के नेता सौगत राय ने आलोचना की है और इसे प्रचार का तरीका बताया। उन्होंने कहा इस तरह के विरोध प्रदर्शन केवल ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से किए गए थे। सौगत रॉय ने तर्क दिया कि यह आयोजन स्थल ममता के अधिकार क्षेत्र में नहीं था और इसलिए, ऐसी घटनाओं को संभालने की जिम्मेदारी यूनिवर्सिटी अधिकारियों और इंग्लैंड की पुलिस की थी। उन्होंने कहा विरोध प्रदर्शन एसएफआई यूके ने प्रचार पाने के लिए किया।

मैं सभी के लिए हूं, हिंदू... मुस्लिम सिख और ईसाई

इनका जवाब देते हुए पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि मैं सभी के लिए हूं, हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई, जिसके जवाब में कुछ उपस्थित लोगों ने गो बैक के नारे लगाए। तनाव के बावजूद, बेनर्जी ने प्रदर्शनकारियों को शांति से संबोधित करने का प्रयास किया, उनसे राजनीति और नकारात्मक आख्यानों में शामिल न होने का आग्रह किया। उन्होंने खुद को रॉयल बंगाल टाइगर बताया।

बढ़ती अर्थव्यवस्था पर ममता ने जताई असहमति

भाजपा ने शर्मनाक और देश के लिए निंदनीय बताया

ऑक्सफोर्ड में बेनर्जी ने 2060 तक भारत के सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की भविष्यवाणी पर असहमति जताई है। उनके इस बयान पर भाजपा उनकी खूब आलोचना कर रही है। आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें ममता से सवाल किया कि अब ब्रिटेन छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और भारत 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। जल्द ही यह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। 2060 तक, यह अनुमान लगाया गया है कि यह दुनिया की पहली अर्थव्यवस्था होगी। बेनर्जी ने कहा कि मैं इससे असहमत हूं। मालवीय ने कहा कि ममता को भारत के दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से परेशानी है। यह शर्मनाक है। विदेशी धरती पर ऐसा व्यवहार कौन कर सकता है?

मद्रास हाई कोर्ट ने 7 तक लगाई रोक

विवादित टिप्पणी में कामरा को मिली अंतरिम जमानत

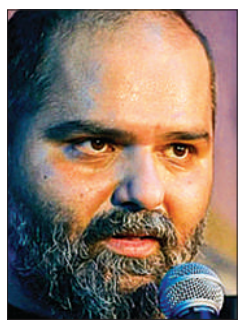

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

मद्रास उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा को महाराष्ट्र के राजनेता के बारे में कथित विवादास्पद टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ दर्ज कई एफआईआर के संबंध में अंतरिम अग्रिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति सुंदर मोहन ने शर्तों के साथ 7 अप्रैल तक अंतरिम अग्रिम जमानत का आदेश दिया। कामरा ने ट्रांजिट अग्रिम जमानत के लिए मद्रास उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें दावा किया गया कि उनके हालिया व्यंग्यात्मक टिप्पणियों के बाद उन्हें कई धमकियां मिल रही हैं।

■ अदालत ने शर्तों के साथ आदेश जारी किया

मप्र-छग की सड़क परियोजनाएं भी शामिल

'प्रधानमंत्री सड़क' के लिए 4011 करोड़ राज्यों को जारी

▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पिछले एक माह के दौरान 4 हजार 11 करोड़ रुपए का केंद्र का अंश राज्यों को प्रधानमंत्री ग्रामीण विकास योजना के तहत प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत जारी किया गया है। इस दौरान 2612 किलोमीटर लंबाई की 231 सड़कों और 96 पुलों के निर्माण की स्वीकृति भी अलग-अलग राज्यों में दी गई है। मध्य प्रदेश को 508 करोड़ 29 लाख रुपए की 738.99 किलोमीटर की 377 सड़कों की स्वीकृति दी गई है।

■ ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज ने दी सदन को जानकारी

लोकसभा अध्यक्ष की अनुमति से ही चलेगा सदन में सांसदों का माइक

बंदरगाह बिल-25 को पेश करते वक्त तिवारी को बिरला की दो टूक

▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में यूं तो आए दिन कार्रवाई के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कई मामलों पर नोकझोंक देखने को

मिलती है। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत करती है। लेकिन कभी कभार ऐसे वाकिए भी होते हैं जो लंबे समय तक याद रहते हैं। जी हां, ऐसा ही एक मामला शुक्रवार को शून्यकाल में देखने को मिला। जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के सांसद मनीष तिवारी के बीच हल्के-फुल्के चुटीले अंदाज में गंभीर टिप्पणी का आदान-प्रदान हुआ।

बंदरगाह बिल से जुड़ा मामला

स्पीकर ने कांग्रेस सांसद को भारतीय बंदरगाह बिल 2025 पर बोलने की अनुमति दी। तिवारी बोलने के लिए खड़े हुए कि तभी उनके दल के उपनेता गौरव गोगोई, पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल व अन्य सांसद अध्यक्ष से शिकायत करने लगे कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में बोलने की अनुमति नहीं दी जाती है। इसके बीच में मनीष बोले, अध्यक्ष जी आप ही बताइए कि सदन में बोलने के लिए माइक कैसे चालू होगा? उनका इशारा भी उक्त मुद्दे पर अपने दल के अन्य सांसदों के साथ जुड़ा हुआ था। बिरला ने उन्हें साफ शब्दों में बता दिया कि लोकसभा में माइक तभी चालू होगा जब अध्यक्ष उसके लिए अनुमति प्रदान करेंगे। बिरला ने कहा कि क्या कांग्रेस सांसद बिल पर अपनी बात नहीं रखना चाहते हैं और फिर उन्होंने अन्य दलों के सदस्यों को विषय पर अपनी बात रखने के लिए बुलाना शुरू कर दिया।

बागेश्वर धाम दरबार में लगाई दारोगा ने अपनी अर्जी

सिविल लाइंस में तैनात दारोगा ने लापरवाही की

ड्यूटी छोड़ दर्शन को पहुंचे तो एसपी बोले-स्टेज से उतारो सस्पेंड कर दूंगा

एजेंसी ▶▶ मेरठ

जागृति विहार एक्सटेंशन में बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सिविल लाइंस में तैनात दारोगा वीरपाल की भी दरबार में अर्जी लगा दी। वीरपाल भी भीड़ के बीच से ड्यूटी छोड़कर स्टेज पर पहुंच गया। उसके बाद अफसरों को मामले की जानकारी मिली। एसपी सिटी आयुष विक्रम ने वीरपाल को स्टेज पर भीड़ के बीच बैठा देखकर तत्काल सीओ सिविल लाइंस को कहा कि उसे स्टेज से उतारो। वरना उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई करनी पड़ेगी। तत्काल ही आयोजक से बताया गया कि दारोगा को स्टेज ने नीचे लेकर आओ। आयोजक बीरपाल को स्टेज से नीचे लेकर आए। तक सीओ ने उसे समझाकर वहां से ड्यूटी पॉइंट पर भेज दिया।

इयूटी के दौरान दारोगा का स्टेज पर बैठना उचित नहीं

चरित्र को बनाने के लिए रामचरितमानस को बनाइए आधार

जागृति विहार एक्सटेंशन में बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के मुखारबिंद से श्री हनुमंत कथा का अमृतमयीरस प्रवाहित हो रहा है। कथा के तृतीय दिवस पर गुरुवार को दिव्य दरबार व कन्हैया मित्तल के भजनों के बाद शाम सात बजे शास्त्री ने व्यासपीठ से श्री हनुमंत कथा के क्रम को आगे बढ़ाया। उन्होंने सीताराम-हनुमान, सीताराम-हनुमान से शुरुआत की।

हनुमानजी असुरों और दानवों का सर्वनाश करने वाले : हिंदू राष्ट्र की जय, बागेश्वर धाम की जय, बाबा औघड़नाथ की जय, बिल्वेश्वर की जय, मनसा देवी की जय, पंचमुखी हनुमान की जय के जयकारे लगवाए। शास्त्री ने कहा कि मेरठ की क्रांतिधरा पर हनुमान जी की महिमा का गुणगान चल रहा रहा है।

मुस्तैदी से काम करने की सलाह दी

एसपी सिटी का कहना था कि ड्यूटी के दौरान दारोगा का स्टेज पर बैठना उचित नहीं था। इसलिए उसे नीचे उतार लिया गया। जीडी में डाला तस्करा सीओ की जांच के दौरान हनुमंत कथा परिसर में ड्यूटी प्वाइंट पर दस पुलिसकर्मी मौजूद नहीं मिले। उक्त पुलिसकर्मी अपने पॉइंटों को छोड़कर इधर उधर घूम रहे थे। तत्काल ही कथा स्थल पर बनी अस्थाई चौकी पर सभी पुलिसकर्मियों की रपट लिखा दी गई। उसके बाद पुलिसकर्मियों ने चौकी पर पहुंचकर अपनी सफाई दी। लेकिन तब तक अफसर रपट लिखकर निकल गए थे। उसके बाद चौकी से सभी को अपने ड्यूटी प्वाइंट पर मुस्तैदी से काम करने की सलाह दी गई।

7 मिनट लेट हो गया था कैब ड्राइवर

महिला ने चालक के मुंह पर थूका और की गाली-गलौज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इंटरनेट पर वायरल हो रहे दोक वीडियो में अलग-अलग महिलाओं को कैब ड्राइवरों से बदतमीजी करते हुए देखा गया। एक महिला ने तो हद ही पार कर दी। गाली-गलौज के बाद ड्राइवर के मुंह पर थूक दिया। वीडियो में दिखाया गया है कि एक महिला कैब की पिछली सीट पर बैठते ही ड्राइवर पर बरस पड़ती है। इसका कारण केवल यह था कि वह ड्राइवर 7 मिनट लेट था। महिला पहले तो नाराजगी जाहिर करती है, लेकिन धीरे-धीरे उसकी भाषा गाली में तब्दील होने लगती है। वीडियो में

दिखाया गया है कि वह महिला कहती हैं जब हम लेट होते हैं तो तुम हर मिनट के दो रुपए काट लेते हो, लेकिन जब तुम लेट होते हो तो कुछ नहीं? ड्राइवर ने समझाने की कोशिश की कि ट्रैफिक की वजह से देर हुई, लेकिन महिला ने एक नहीं सुनी। ताने मारते हुए बोली कि तू तो पूरी जिंदगी ड्राइवरी करेगा, अपने बच्चों को भी ड्राइवर बना देना।

पंचायती राज मंत्री ने शिक्षा मंत्री के पैतृक गांव बारां स्थित चरडाना में 7 करोड़ की लागत से बनने वाले आधुनिक स्कूल भवन का किया शिलान्यास, 105 वर्षीय भूली बाई ने किया भूमि पूजन

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। बारां जिला प्रभारी मंत्री एवं पंचायती राज मंत्री ओटाराम देवासी ने शुक्रवार को बारां स्थित चरडाना में अत्याधुनिक सुविधाओं युक्त 7 करोड़ रू. लागत से बनने वाले स्कूल भवन का भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। पंचायती राज मंत्री ने कहा कि यह विद्यालय यहां के बच्चों के भविष्य का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। बालिका शिक्षा के लिए प्रत्येक संभाग पर बालिका सैन्य स्कूल तथा आदर्श वेद विद्यालय खोले जा रहे हैं। प्रदेश का प्रत्येक गांव साफ सुथरा हो, इसके लिए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के कुशल निर्देशन में शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर निरंतर प्रयास कर रहे हैं। आगामी दो वर्षों में राज्य को सफाई के मामले में देश का अग्रणी राज्य बनाने का शिक्षा मंत्री का सपना साकार हो, इसके लिए हम सबको मिलकर काम करना होगा। शिलान्यास का भूमि पूजन गांव की 105 वर्षीय वयोवृद्ध महिला श्रीमती भूली बाई ने किया। उल्लेखनीय है कि चरडाना शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री श्री मदन दिलावर का पैतृक गांव है।

अत्याधुनिक होगा विद्यालय भवन–

चरडाना में बनने वाला राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का भवन अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा। आईआईएफएल फाउंडेशन, मुंबई द्वारा बनाए जा रहे इस भवन की लागत कुल 7 करोड रुपए होगी। विद्यालय में डिजिटल शिक्षा, आईसीटी लैब सहित सभी अत्याधुनिक सुविधाओं का उपयोग कर विद्यार्थियों को शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर के विशेष प्रयासों से उदयपुर निवासी मुंबई के व्यवसाय श्री निर्मल जैन एवं मधु जैन की संस्था आईआईएफएल फाउंडेशन द्वारा चरडाना में यह कार्य करवा रही है।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक राधेश्याम बैरवा, जयपुर की जिला प्रमुख श्रीमती रमा चोपड़ा, टोंक की जिला प्रमुख श्रीमती सरोज बंसल, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के निदेशक आशीष मोदी भी उपस्थित थे।

दिलावर की सादगी को लेकर रही चर्चा –

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री श्री मदन दिलावर के निर्देशन में उनके पैतृक गांव चरडाना में 7 करोड रुपए की लागत से बनने वाले विद्यालय भवन के भूमि पूजन कार्यक्रम में मंत्री दिलावर की सादगी और सज्जनता का अनुपम उदाहरण देखने को मिला। कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री श्री ओटाराम देवासी, स्थानीय विधायक श्री राधेश्याम बैरवा सहित तमाम आगंतुक अतिथि मंच आसीन थे किंतु शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री श्री मदन दिलावर आयोजन स्थल पर सामान्य व्यक्तियों के लिए लगाई गई कुर्सियों में चौथी पंक्ति में कुर्सी पर बैठे थे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने दिए शेखावाटी शिरोमणि और भूषण पुरस्कार

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुकवार को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को शेखावाटी शिरोमणि और भूषण पुरस्कार प्रदान किए। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय और विशिष्ट योगदान के लिए 108 स्वामी ओमदास जी महाराज, डॉ. ग्यारसी लाल जाट, राजीव के. पोदार को शेखावाटी शिरोमणि सम्मान और भरत हरदत्तराय बियाणी, मदन सिंह काजला, कैलाश तिवाड़ी, छोगालाल सैनी, तंवर सिंह राठौड़, कानसिंह निर्वाण, विनोद भारती, महेश कुमार शर्मा, चरण सिंह, कमलेश पारीक को शेखावाटी भूषण से सम्मानित किया। इसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया गया।

सेना के मुद्दों का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा - मुख्य सचिव

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में शुक्रवार को सचिवालय में प्री-सीएमएलसी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य में रक्षा भूमि से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि रक्षा भूमि से संबंधित लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के प्रयास किये जाएंगे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को इस दिशा में आवश्यक कार्यवाही कर समस्या का समाधान निकालने के निर्देश दिए। पंत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सेना को हर प्रकार से सहयोग दिया जा रहा है तथा उनके मुद्दों का प्राथमिकता से उचित हल निकाला जाएगा। उन्होंने जिलों में वर्क्स ऑफ डिफेन्स एक्ट के उल्लंघन के मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए भी जिला कलक्टरों को निर्देश दिये। रक्षा भूमि पर अतिक्रमण के मामलों को गंभीर विषय बताते हुए मुख्य सचिव ने जिला प्रशासन एवं सैन्य अधिकारियों को आपसी सहयोग से सीमांकन संबंधी मुद्दों को सुलझाने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित जिला कलेक्टर से उनके जिले के प्रकरणों के बारे में जानकारी ली और उन्हें राजस्व विभाग के साथ बैठक कर समस्या के निराकरण के लिए निर्देशित किया। मुख्य सचिव ने कहा कि लंबित प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लाने की दिशा में इस बैठक को प्रत्येक तीन माह में आयोजित किया जाये। उन्होंने दक्षिण पश्चिम कमान की टुकड़ी का 26 जनवरी, 2026 को आर्मी डे परेड के लिए नामांकन होने पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने परेड की तैयारियों के लिए सहायता का भी आश्वासन दिया। बैठक में हेडक्वाटर साउथ वेस्टर्न कमांड के चीफ ऑफ़ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एच.एस वान्द्रा, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, आनंद कुमार, वन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव, श्रीमती अपर्णा अरोड़ा, जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार, राजस्व विभाग के प्रमुख शासन सचिव दिनेश कुमार, जेडीए आयुक्त श्रीमती आनन्दी, अन्य विभागों के उच्च अधिकारी एवं सेना के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे । बैठक में जिला कलेक्टर वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

राजस्थान दिवस साप्ताहिक समारोह- अलवर में जिला स्तरीय विकास एवं सुशासन उत्सव का वन मंत्री संजय शर्मा ने किया शुभारम्भ

जिले के पंच गौरव कार्यक्रम की पुस्तिका का किया विमोचन- जिले के 70 करोड रूपये से अधिक के विकास कार्यों का हुआ शिलान्यास एवं लोकार्पण

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। राजस्थान स्थापना दिवस (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, 30 मार्च) के उपलक्ष्य में आयोजित सात दिवसीय कार्यक्रमों की कडी में चौथे दिन शुक्रवार को अलवर के प्रताप ऑडिटोरियम में विकास एवं सुशासन उत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिला स्तरीय कार्यक्रम का पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संजय शर्मा, शुभारम्भ किया तथा जिले के पंच गौरव कार्यक्रम की पुस्तिका का विमोचन किया। जिले के पंच गौरवों में एक जिला-एक उत्पाद के रूप में प्याज, एक जिला-एक प्रजाति के रूप में अर्जुन, एक जिला-एक खेल के रूप में कुश्ती, एक जिला-एक पर्यटन स्थल के रूप में सरिस्का टाइगर रिजर्व एवं एक जिला-एक उत्पाद के रूप में ऑटो मोबाइल पार्ट्स सम्मलित हैं।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वीसी के माध्यम से हुआ सीधा प्रसारण-

भीलवाडा के चित्रकूट धाम स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वीसी के माध्यम से अलवर जिले में सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने विकसित राजस्थान-समृद्ध राजस्थान के उद्देश्य को साकार करते हुए प्रदेश में करीब 10 हजार करोड रूपये के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। वहीं राजस्थान पत्रकार स्वास्थ्य योजना (आरजेएचएस) का शुभारम्भ किया एवं प्रदेश के सभी जिलों की पंच गौरव पुस्तिकाओं का विमोचन कर ई-उपचार एप को भी लॉन्च किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय निकायों के सशक्तिकरण के नगरीय विकास विभाग द्वारा डेलीगेशन के आदेश, फायर एनओसी प्रक्रिया का सरलीकरण, रजिस्ट्री अब सप्ताह में 2 दिन प्रातः 8 से रात्रि 8 बजे तक, हरित अरावली विकास परियोजना, नये जिलों में डीएमएफटी गठन एवं राशन दुकानों को अन्नपूर्णा भण्डार बनाने के दिशा-निर्देश व आदेश जारी किए।

विकास एवं सुशासन की ओर अग्रसर राजस्थान

वन मंत्री श्री संजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार द्वारा सडक, विद्युत, चिकित्सा, पेयजल, रोजगार, उद्योग इत्यादि सभी क्षेत्रों को तहजीह देते हुए प्रदेश को विकास एवं सुशासन की ओर तेजी से आगे बढाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए कृत संकल्पित है। राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा आमजन के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण सौगातों के साथ जनहितैषी योजनाएं प्रारम्भ की जा रही है।

जिले के इन विकास कार्यों का हुआ शिलान्यास एवं लोकार्पण

कार्यक्रम में अलवर जिले के चहुंमुखी विकास के लिए 70 करोड 6 लाख 56 हजार रूपये के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया गया, जिनमें 47 करोड 10 लाख 46 हजार रूपये की लागत के 14 कार्यों का शिलान्यास एवं 22 करोड 96 लाख 1 हजार रूपये की लागत के 23 कार्यों का लोकार्पण किया गया। शिलान्यास कार्यों में कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग के 18 करोड 58 लाख रूपये की लागत के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान उमरैण एवं साहडोली में नवीन भवन निर्माण कार्य, उच्च शिक्षा विभाग के 4 करोड 50 लाख रूपये की लागत से राजकीय कन्या महाविद्यालय कठूमर के विकास कार्य, स्कूल शिक्षा विभाग के 1 करोड 35 लाख 14 हजार रूपये की लागत के समसा के तहत विभिन्न विद्यालयों में क्षमता वृद्धि के 6 कार्यों, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के 5 करोड 60 लाख रूपये की लागत के रैणी एवं अलवर में छात्रावास के भवन निर्माण कार्य, परिवहन विभाग के 71 लाख 5 हजार रूपये की लागत के कार्यशाला मरम्मत एवं अनुरक्षण विकास कार्य एवं जलदाय विभाग के 16 करोड 35 लाख 82 हजार रूपये की लागत से थानागाजी के ग्रामीण जल आपूर्ति एवं स्वच्छता का शहरी जल आपूर्ति एवं स्वच्छता कार्यों में परिवर्तन संबंधी विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया। साथ ही अलवर सहित अन्य जिलों के लिए सरकारी भवनों पर रूफटॉप सौलर संयंत्र स्थापना हेतु 3 हजार करोड रूपये से अधिक के कार्यों का शिलान्यास किया गया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी की राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोग ने चुनावी प्रक्रिया में रचनात्मक सुधार के लिए सुझाव मांगे– मुख्य निर्वाचन अधिकारी

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने देश में चुनाव प्रक्रिया को मौजूदा संवैधानिक ढ़ांचे की सीमाओं में प्रचलित प्रावधानों और कानूनों के तहत अधिक व्यवस्थित, मजबूत और पारदर्शी बनाने के लिए कवायद शुरू की है। इस क्रम में चुनावी प्रक्रिया के महत्वपूर्ण हितधारक राजनीतिक दलों से रचनात्मक सुधार के लिए सुझाव आमंत्रित किए गए हैं।

महाजन शुक्रवार को शासन सचिवालय में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य-स्तरीय राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों के साथ राज्य-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने बताया कि आयोग के निर्देश पर राज्य भर में विधानसभा क्षेत्र और जिला स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की जा चुकी हैं। इस बैठकों में प्राप्त सभी स्तर के सुझावों को आयोग को भेजा जाएगा, जिस पर सकारात्मक कार्यवाही की जा सकेगी।

स्थानीय बैठकों में 1,100 से अधिक राजनीतिक प्रतिनिधि शामिल–

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने बताया कि निर्वाचन आयोग के अनुसार निर्वाचन विभाग ने प्रदेश भर में स्थानीय स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श का दौर पूरा कर लिया है। इस क्रम में, 20 मार्च तक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) की अध्यक्षता में सभी विधानसभा क्षेत्रों के स्तर पर बैठकें आयोजित हुई हैं, जिनमें राजनीतिक दलों के कुल 921 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इसी प्रकार,

सभी 33 जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) के स्तर 25 मार्च बैठकें हुई, जिनमें 182 राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भागीदारी की। उन्होंने बताया कि इन बैठकों में महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए हैं।

बीएलए की सक्रिय भूमिका महत्वपूर्ण–

श्री महाजन ने सभी दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि वे मतदान केंद्र के स्तर तक सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अपने-अपने दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नामित करें और उनकी सूचियां सम्बंधित चुनाव अधिकारियों को उपलब्ध करवाएं। उन्होंने कहा कि यह व्यक्ति चुनाव के समय मतदान और मतगणना के अतिरिक्त हर समय स्थानीय चुनाव अधिकारी (बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ)) के साथ समन्वय पर मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने, हटाने, संशोधन करने आदि कार्यों में महत्वपूर्ण एवं सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि बैठकों में विचार-विमर्श के दौरान मतदाता पहचान-पत्र को आधार कार्ड से लिंक करने, बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) को निर्वाचन विभाग के माध्यम प्रशिक्षित करवाने, घुमंतू परिवारों के सदस्यों के नाम मतदाता के रूप में रजिस्टर करने के लिए विशेष शिविर आयोजित करने, मतदाता सूचियों की रंगीन प्रतियां उपलब्ध करवाने और 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले युवाओं के नाम मतदाता सूचियों में शामिल करने के लिए आधार पहचान-पत्र का डाटा फेच करने जैसे सुझाव प्राप्त हुए हैं।

महाजन के अनुसार, आयोग को इन बैठकों के विषय में तथ्यात्मक रिपोर्ट 31 मार्च तक आयोग को भेजी जाएगी. राज्य-स्तरीय बैठक में भारतीय जनता पार्टी, इंडियन नेशनल कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), बहुजन समाज पार्टी और भारत आदिवासी पार्टी आदि दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

राजस्थान आईटी डे 2025, सुलभ टेक्नोलॉजी के लिए पूरी दुनिया की नजर भारत पर- आईटी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ आरआईसी में दो दिवसीय समारोह का समापन

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राजस्थान आईटी डे का समापन समारोह शुक्रवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि आज पूरी दुनिया सुलभ टेक्नोलॉजी के लिए भारत की ओर देख रही है। भारत में कम कीमत पर उच्च तकनीक की उपलब्धता इसे दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बनाती है।

कर्नल राठौड़ ने कहा कि आईटी आज लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है, जिससे कम समय में अधिक दक्षता के साथ काम करना संभव हुआ है। आज मेडिकल, स्पेस साइंस, शिक्षा और सेवा क्षेत्र में आईटी ने लोगों के जीवन को आसान बनाया है। प्रदेश में भी आईटी की मदद से जन कल्याणकारी योजनाएं आमजन तक कम समय में पारदर्शिता के साथ पहुंचाई जा रही हैं।

'फायरसाइड चैट राजस्थान' में हुई विस्तृत चर्चा–

समापन समारोह के दौरान कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने 'फायरसाइड चैट राजस्थान' सत्र में योरस्टोरी की संस्थापक श्रद्धा शर्मा के साथ विस्तृत चर्चा में कहा कि राजस्थान का आईटी विभाग देश में सर्वश्रेष्ठ है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान आज टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में ट्रेंडसेटर के रूप में उभर रहा है, जिससे यह इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के इच्छुक लोगों की पहली पसंद बनता जा रहा है। उन्होंने राजस्थान के डेटा सेंटर को देश में सर्वश्रेष्ठ बताया।

सरकार की पारदर्शिता और जनकल्याण की प्रतिबद्धता–

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बीता एक साल प्रदेश के विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ है। मुख्यमंत्री की जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता के कारण राज्य सरकार आमजन की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि अभी तक लाभार्थियों को योजनाओं के लाभ लेने के लिए सरकार के पास आना पड़ता था, लेकिन अब आईटी के माध्यम से ऐसी व्यवस्था की जा रही है कि योजनाओं का लाभ देने के लिए सरकार लाभार्थियों तक पहुंचेगी।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की शासन सचिव श्रीमती अर्चना सिंह ने बताया कि दो दिवसीय आईटी डे आयोजन में लगभग 3000 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान AVGC-XR क्षेत्र में व्यापक चर्चा की गई तथा ही गेम जैम का आयोजन हुआ। साथ ही 75 से अधिक स्टार्टअप्स ने आईटी एक्सपो में अपने नवाचारों को प्रदर्शित किया है। इस आयोजन ने राज्य में नवाचार, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए व्यापक मंच प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के महानिदेशक इंद्रपाल सिंह सेठी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2015 में डिजिटल इंडिया की शुरुआत की थी, जिसके माध्यम से सरकारी योजनाओं के लाभ को सीधे अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के विजन को साकार करने में एनआईसी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

'गेम जैम' में टीम एक्सओडी रही विजेता–

आईटी डे के दौरान डवलपर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 48 घंटे तक चली गेम जैम प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को गेमिंग के माध्यम से समस्याओं को हल करने की चुनौती दी गई। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री ने प्रतियोगिता की विजेता एक्सओडी टीम, प्रथम रनर-अप कोडर्स इन डिस्गाइज टीम एवं द्वितीय रनर-अप अंश जैम ग्लोबल टीम को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया।

9 स्टार्टअप्स को 12 करोड़ की फंडिंग–

दिसम्बर 2024 में राइजिंग राजस्थान प्री समिट के दौरान नंदा कैपिटल ने आईस्टार्ट राजस्थान के साथ एक समझौता किया था, जिसके तहत 9 स्टार्टअप्स के लिए 12 करोड़ रुपए की राशि का निवेश किया गया। समापन समारोह में कर्नल राठौड़ ने इन स्टार्टअप्स को 12 करोड़ रुपए के फंडिंग चेक भी वितरित किए।

अटल ई–गवर्नेन्स स्टेट अवॉर्ड वितरित–

समापन सत्र में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले राज्य सरकार के कार्मिकों को अटल ई–गवर्नेन्स स्टेट अवॉर्ड 2022-23 तथा 2023-24 से सम्मानित किया। ये पुरस्कार गोपाल कृष्ण शर्मा, जनरल मैनेजर टेक्नीकल राजकॉम्प, गौरव शर्मा, सिस्टम एनालिस्ट, दिनेश गुर्जर, सिस्टम एनालिस्ट, मनोज कुमार जैन, सिस्टम एनालिस्ट, कुभाराम रेलावत, सिस्टम एनालिस्ट, श्रीलेखा शर्मा, असिस्टेंट कमिश्नर, शारुल सक्सेना, जॉइंट डायरेक्टर, अभय गुप्ता, जॉइंट डायरेक्टर, राजेश असावा, एसीपी, सौरभ शर्मा, प्रोग्रामर, मोहम्मद रफीक खान, डिप्टी डायरेक्टर, डॉ. विपिन माथुर, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट, दिनेश जलथुरिया, असिस्टेंट प्रोग्रामर, शिवदयाल बरवार, असिस्टेंट प्रोग्रामर, हेमंत मेनारिया, असिस्टेंट प्रोग्रामर, देवकी नंदन गौतम, इन्फॉर्मेटिक्स असिस्टेंट, नरेन्द्र दनवार, इन्फॉर्मेटिक्स असिस्टेंट, रामस्वरूप सोनी, इन्फॉर्मेटिक्स असिस्टेंट, सुभाष चंद्र, इन्फॉर्मेटिक्स असिस्टेंट और शिनॉय अली, बिजनेस एनालिस्ट को प्रदान किए गए। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के संयुक्त सचिव संजय जगदीश कर्णिक ने आभार व्यक्त किया। समापन समारोह में गणमान्य अतिथियों के साथ ही उद्योग संगठन, स्टार्टअप सीईओ और संस्थापक, निवेशक, कॉर्पोरेट्स, भागीदार, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी प्रतिनिधियों के साथ ही बड़ी संख्या में स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भेंट

राजस्थान में सड़क, परिवहन और राजमार्ग परियोजनाओं के विकास कार्यों को लेकर हुई चर्चा

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर राजस्थान में सड़कों के विकास और आधारभूत संरचना के उन्नयन संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि बैठक में जयपुर रिंग रोड, जोधपुर रिंग रोड, उदयपुर रिंग रोड आदि की डीपीआर के आदेश अगले महीने जारी किए जाने, जैसलमेर और बाड़मेर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-70 और राष्ट्रीय राजमार्ग-11 के मौजूदा कनेक्शन को मजबूत और चौड़ा करने, राष्ट्रीय राजमार्ग-11 के म्याजलार-जैसलमेर खंड और मुनाबाव-तनोट के सुंदरा म्याजलर अंबासिंह की ढाणी रोड भाग को पक्की सड़क के साथ 2-लेन का मजबूत और चौड़ा करने के लिए 1237.71 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है।

उन्होंने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी वर्ष में राजस्थान के 5 हजार करोड़ के कार्य वार्षिक योजना में शामिल किए जाएंगे। सी.आर.आई.एफ. योजना में राज्य को 1500 करोड़ रू. मिलेंगे। भरतपुर रिंग रोड, एलिवेटेड रोड, और ब्रज चौरासी परिक्रमा तथा जयपुर-जोधपुर-पचपदरा रोड की डीपीआर के कार्य अगले महीने शुरू होंगे। जयपुर-सीकर रोड का कार्य तेज गति से पूर्ण किया जाएगा तथा खाटू श्याम जी रिंग रोड एवं अन्य सुविधा विकसित करने के लिए डीपीआर के कार्य आदेश जल्द दिए जाएंगें, जयपुर– किशनगढ़ हाईवे के सुदृढ़ीकरण हेतु डीपीआर तैयार की जाएगी।

जयपुर दिल्ली पुराने हाईवे का कार्य जुलाई तक पूरा कर लिया जाएगा

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि जयपुर से दिल्ली और दिल्ली से जयपुर आने जाने वाले यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए जुलाई तक पुराने हाईवे के कार्य को पूरा कर दिया जाएगा तथा शाहपुरा बाईपास के लिए डीपीआर के आदेश जल्द दिए जाएंगे और देसूरी की नाल पर डीपीआर का कार्य जल्द पूरा कर लिया जाएगा और तत्पश्चात कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि इन परियोजनाओं से राजस्थान में सड़क नेटवर्क का सुधार होगा, जिससे राज्य में यात्रा की सुविधा बेहतर होगी और आर्थिक विकास में योगदान मिलेगा।

राज्य सरकार ने प्रदेश में विकास के नए प्रतिमान किये स्थापित- जिला प्रभारी मंत्री

राजस्थान दिवस महोत्सव के चौथे दिन हुआ विकास एवं सुशासन उत्सव का आयोजन - पंच गौरव पुस्तिका का हुआ विमोचन, उत्कृष्ट कार्य के लिए कार्मिकों का हुआ सम्मान - शनिवार को आयोजित होगा जिला स्तरीय मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। राजस्थान दिवस महोत्सव के तहत हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन अकादमी के भगवत सिंह मेहता सभागार में शुक्रवार को जिला स्तरीय विकास एवं सुशासन उत्सव का आयोजन हुआ। जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में विकास के नए आयाम और सुशासन के नए प्रतिमान स्थापित किये हैं। यही कारण है कि राज्य सरकार ने डेढ़ साल से भी कम समय में जन आकांक्षाओं पर खरा उतरने का काम किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हमारी गौरवशाली परंपरा एवं संस्कृति को एक बार फिर से अपना यथोचित सम्मान दिलाने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि 30 मार्च 1949 को चार बड़ी रियासतों का विलय संयुक्त राजस्थान में किया गया था। वृहद् राजस्थान के गठन उपलक्ष्य में हम राजस्थान दिवस मनाते हैं, वह भारतीय नववर्ष की तिथि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को रेवती नक्षत्र इंद्रयोग की शुभ घड़ी में अस्तित्व में आया था। सौभाग्य से इस बार भी वही शुभ संयोग बन रहा है। इस साल से मुख्यमंत्री जी ने अब से हिन्दु नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही राजस्थान दिवस मनाये जाने का अभूतपूर्व एवं लोकप्रिय फैसला लिया है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक एवं संपादक रमाकांत गोस्वामी द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, पीपलेश्वर मंदिर के पीछे, नला मौहल्ला,दौसा (राजस्थान)-303303 से प्रकाशित किया। संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, कार्यकारी संपादक भूपेंद्र कुमार शर्मा, स्थानीय संपादक: संजय लाटा (अवैतनिक) आरएनआई नं. RAJHIN/2012/43137, ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल- tniawaz.news@gmail.com, Group of Sites- www.hpnews.in, www.right2action.in, www.jaipurtak.com, www.dharmjagran.com, www.hindustanpatrika.com, www.freedomathought.com, www.tniawaaz.in (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।